वर्ष- 14, अंक - 79 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 1 जनवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

साल की शुरुआत में लगा झटका, बढ़े एलपीजी के दाम, ई-इन्वॉयसिंग की सीमा भी घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने आम उपभोक्ताओं का साल के पहले दिन ही बड़ा झटका दे दिया है। एक जनवरी से कई बदलाव किए जा रहे हैं। इनमें से सबसे बड़ा बदलाव एलपीजी की कीमतों (LPG Price) को लेकर आया है। तेल कंपनियों ने कमर्शियल सिलेंडर के दाम एक बार फिर से बढ़ा दिए हैं। वहीं दूसरा सबसे बड़ा बदलाव GST ई-इन्वॉयसिंग की सीमा को लेकर है। सरकार ने इसकी सीमा घटा दी है।

बता दें हर महीने की पहली तारीख को गैस कंपनियां एलपीजी की कीमतों में बदलाव करती है। ऐसे में नए साल की शुरुआत यानि1 जनवरी 2023 को भी LPG Cylinder की कीमतों में बड़ा बदलाव हुआ है। 1 जनवरी 2023 से कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में बढोतरी हुई है। कॉमर्शियल सिलेंडर के लिए अब 25 रुपये अधिक खर्च करने होंगे। सिलेंडर पर बढ़ी हुई कीमतें राज्य व शहरों के अनुसार अलग अलग बढ़ेंगी। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतें जस की तस बनी हुई है।

GST Invoicing की सीमा 20 करोड़ से पांच करोड़ हुई

जीएसटी ई-इन्वॉयसिंग (GST Invoicing) या इलेक्ट्रॉनिक बिल के नियम 1 जनवरी 2023 से बदलने जा रहे हैं। सरकार ने ई-इन्वॉयसिंग के लिए 20 करोड़ रुपए की सीमा को कम करते हुए पांच करोड़ रुपए कर दिया है। यह नियम 2023 के पहले दिन से लागू हो जाएगा। इस नियम के लागू होने से अब उन कारोबारियों को इलेक्ट्रॉनिक बिल जेनरेट करना जरूरी होगा जिनका बिजनेस सालाना पांच करोड़ से अधिक का है।

गाड़ी खरीदना भी हुआ महंगा

नए साल में गाड़ी खरीदना भी महंगा पड़ेगा। 2023 की शुरुआत से ही Maruti

Suzuki, MG Motors, Hyundai, Reno से लेकर ऑडी और मर्सडीज जैसी कंपनियां अपने वाहनों की कीमत में बढ़ोतरी करने जा रही हैं। टाटा की ओर से अपने कमर्शियल गाड़ियों की कीमत 2 जनवरी 2023 से बढ़ाने का ऐलान भी कर दिया गया है। इसके कारण नए साल में कार का शौक पूरा करने के लिए लोगों को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी।

IMEI रजिस्ट्रेशन भी होगी जरूरी

इन पांच बड़े बदलावों के साथ ही एक जनवरी 2023 से फोन निर्माता कंपनियों और इसका आयात-निर्यात करने वाली फर्मों के लिए भी नया नियम आएगा। इसके तहत कंपनियों को हर फोन के आईएमईआई (IMEI) नंबर का रजिस्ट्रेशन जरूरी होगा। दूरसंचार विभाग ने IMEI से छेड़छाड़ होने के मामलों पर लगाम लगाने के लिए ये तैयारी की है। जो फोन विदेशी यात्रियों के साथ भारत आए हैं, उनका भी रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा।

बैंकों की जिम्मेदारी बढ़ेगी

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ओर से जारी नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, पहली जनवरी 2023 से बैंक लॉकर (Bank Locker) को लेकर तय किए गए नियमों में बदलाव होने जा रहा है। नए नियमों के लागू होने के बाद बैंकों पर लगाम लगेगी और वे ग्राहकों के साथ बैंक लॉकर को लेकर मनमानी नहीं कर पाएंगे। इसके बाद बैंकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाएगी। क्योंकि अगर लॉकर में रखे किसी ग्राहक के सामान को किसी कारणवश कोई नुकसान पहुंचता है, तो बैंक की जिम्मेदारी तय होगी। बता दें बैंक से ग्राहकों को 31 दिसंबर तक के लिए एक एग्रीमेंट साइन करना है। इसके जरिए ग्राहकों को लॉकर के नियमों में बदलाव के बारे में जानकारी SMS और अन्य माध्यम से दी जाएगी।

नए साल में मुख्यमंत्री बघेल की बड़ी घोषणा

मुख्यमंत्री आधारभूत शिक्षा प्रशिक्षण सहायता योजना होगी शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नववर्ष के पहले दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रमिकों को चार नई सौगातें देते हुए कहा है कि अब मजदूर के बच्चे मजदूर नहीं रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि अब गरीब श्रमिकों के बच्चे भी बड़ी जगहों पर जाने लगे हैं, श्रमिकों के बच्चे एयरफोर्स जैसी नौकरियों में जा रहे हैं और देश तथा राज्य की विभिन्न सेवाओं में भी चयनित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि मजदूर के बच्चों को भी अपने साकार करने हैं और उन्हें भी आसमान छूना है जिसके लिए हमारी सरकार लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री बघेल ने चौथी व पाँचवी कक्षाओं के बच्चों को सैनिक स्कूल, नवोदय एवं अन्य निजी संस्थाओं में में प्रवेश के लिए भी कोचिंग और

प्रशिक्षण देने के लिए मुख्यमंत्री आधारभूत शिक्षा प्रशिक्षण सहायता योजना शुरू करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री बघेल ने श्रमिकों एवं उनके बच्चों को नई सौगातें देते हुए छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण मंडल के पंजीकृत श्रमिकों हेतु संचालित मुख्यमंत्री श्रमिक सहायता योजना की राशि को 10 से बढ़ाकर 20 हजार रूपए एक मुश्त देने की घोषणा की है। इसके साथ ही श्री बघेल ने प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए श्रमिकों के बच्चों को निशुल्क कोचिंग की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की है ताकि श्रमिकों के बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं की अच्छी तैयारी कर सकें।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निमार्ण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए संचालित मेघावी छात्र छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के नाम में परिवर्तन करते हुए मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेघावी शिक्षा योजना करने की घोषणा की। इस योजना के तहत मुख्यमंत्री ने नवीन कोर्स जैसे इंजीनियरिंग, आईआईटी, बीटेक, ट्रिपल आईटी, एमटेक, एमबीबीएस इत्यादि की पढ़ाई सहित विदेशों में अध्ययन करने के लिए भी श्रमिकों के बच्चों को सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने इन सभी पाठ्यक्रमों में पढ़ाई करने के लिए श्रमिकों के बच्चों को प्रवेश शुल्क, शैक्षणिक शुल्क, आवास एवं भोजन शुल्क में सहायता प्रदान करने के साथ ही प्रतिवर्ष स्टेशनरी के लिए भी 2 हजार रूपए की सहायता देने की घोषणा की है।

पुलिस परेड ग्राउंड पहुंचे सीएम बघेल

जवानों संग मनाया नववर्ष, 10 नए थानों का भी किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के पुलिस परेड़ ग्राउंड में छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा आयोजित नववर्ष मिलन समारोह में आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने पुलिस

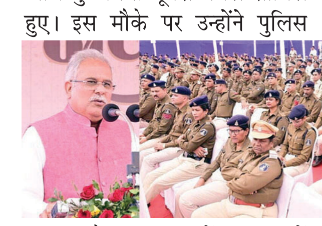

विभाग के अधिकारियों व जवानों को नव वर्ष की बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 10 नव निर्मित थानों का वर्चुअली लोकार्पण भी किया। समारोह में गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा भी उपस्थित रहे।

बता दें पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा 10 थानों का नव निर्माण करवाया है। प्रत्येक थाने का निर्माण ढाई करोड़ रुपए की राशि से किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में इन्हीं थानों का वर्चुअली लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री बघेल ने कहा-सुरक्षा व्यवस्था, अपराधों के नियंत्रण के साथ-साथ कोरोना काल मे मानवता की सेवा करने में हमारे जवानों ने देश में उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स के साहस, समर्पण और बहादुरी से बस्तर के अंदरूनी क्षेत्रों में सड़क, पल-पुलिया निर्माण संभव हो सका है। अंदरूनी इलाकों में लोगों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। लोग पुलिस कैंम्प खोलने की मांग करने लगे हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस जवानों से कहा नए साल के पहले दिन मैं आपके बीच आता हूं और इस वर्ष भी इस परंपरा का निर्वाह किया है।

खास खबर...

कोरोना महामारी के साए के बावजूद नए साल का जबरदस्त जश्न, बेपरवाह भीड़ ने जमकर की आतिशबाजी

बीजिंग (एजेंसी)। कोरोना महामारी के साए के बीच दुनिया के कई देशों में लोग नए साल का जश्न काफी उत्साह से मना रहे हैं। महामारी के खतरे के बीच कई लोग सड़क पर भी उतरे दिखे। लेकिन सबसे हैरान करने वाले दृश्य चीन से सामने आए हैं जहां कोरोना विस्फोट के कारण मच रही तबाही के बावजूद लाखों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरे नजर आए। भारी संख्या में लोग गुब्बारे छोड़ने के साथ-साथ आतिशबाजी करते दिखे। कई लोग एक दूसरे के गले लगते भी दिखे। हालांकि, इस दौरान सभी लोग मास्क लगाए हुए दिखे।

चीन में नए साल पर इस तरह से लापरवाही को लेकर लोगों ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स के बात भी की है। 17 वर्षीय वुहान हाई स्कूल के छात्र ने कहा कि पिछले साल के अंतिम महीने से कोरोना महामारी बहुत गंभीर स्थिति में है और मेरे परिवार के कुछ सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लेकिन हमलोग लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए यह जश्न मना रहे हैं। लोगों के मन से डर भगाना चाहते हैं। वहीं एक महिला ने कहा कि मुझे पहले डर लगा कि मैं फिर से कहीं संक्रमित न हो जाऊं लेकिन फिर मैंने सड़कों पर भारी संख्या में लोगों को देखा फिर मैं खुद को रोक नहीं सकी।

मजदूर भाईयों के साथ मुख्यमंत्री बघेल ने की साल की शुरुआत, चावड़ी पहुंचकर मिठाई खिलाई, कंबल भी बांटे

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज सवेरे नववर्ष के प्रथम दिन राजधानी रायपुर के चावड़ी के मेहनतकश मजदूर भाई-बहनों के साथ हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नववर्ष का अभिनंदन किया। इस मौके पर सबसे पहले मुख्यमंत्री ने गांधी मैदान में स्थित गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत राज्यगीत से हुई।
मुख्यमंत्री बघेल ने श्रमवीर भाई-बहनों को मिठाई खिलाकर और कंबल भेंट कर उनके साथ नए वर्ष की खुशियां बांटी। श्री बघेल ने इस अवसर पर श्रमवीरों सहित समस्त प्रदेश वासियों को को नए वर्ष की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे हर किसी के जीवन में उजियारा आ सकता है और छत्तीसगढ़ में गरीब वर्ग के बच्चे भी अब आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में एडमिशन ले कर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने श्रमिकों के लिए कई योजनाएं संचालित की हैं जिसका लाभ सभी श्रमिक साथी उठाते हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर श्रमिकों के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए श्रमवीरों को योजनाओं के अंतर्गत नई सौगातें देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने श्रमवीरों को गरमा-गरम भोजन उपलब्ध कराने के लिए संचालित शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना केंद्र में पहुंचकर वहां श्रमिक भाई-बहनों के साथ चर्चा की और सुबह की चाय पी। इस मौके पर रायपुर नगर निगम के महापौर एजाज ढेबर, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे और छत्तीसगढ़ भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।
मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर कहा कि जब से मैं मुख्यमंत्री बना हूं, चावड़ी में आकर मजदूर भाई-बहनों के साथ नए साल की शुरुआत करता हूं। मुख्यमंत्री ने श्रम वीरों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी लोगों का सम्मान करके आज मुझे महसूस हो रहा है कि हम गांधी जी के रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।

सिकुड़ते चौक चौराहे और तंग होते डिवाइडर

श्रीकंचपथ

छत्तीसगढ़ के लिए नया साल हंगामाखेज होने वाला है. राज्य के लिए यह चुनावी वर्ष जो है. साथ ही साथ हम एक लगातार बढ़ती जा रही समस्या का हल भी ढूंढते रहेंगे. पिछले कुछ सालों से सड़कों के सुन्दर चौक-चौराहों को उखाड़ा जा रहा है. ट्रैफिक आइलैंड गायब हो रहे हैं. बिलासपुर के कई चौराहों से गोला को गायब कर दिया गया है. अब लोग एक खूंटे के इर्द-गिर्द चक्कर काट रहे हैं. दृश्य कुछ-कुछ खो-खो जैसा है. रेफरी कोई है नहीं, इसलिए खिलाड़ी उठने के बाद किसी भी दिशा में दौड़ पड़ते हैं. वैसे यह सिकुड़न सिर्फ चौक चौराहों या सड़क विभाजक तक ही सीमित नहीं है. लोग भी सिकुड़ रहे हैं. साइज कम करने और वजन घटाने के लिए लोग कड़ी मेहनत कर रहे हैं. खाना पीना छोड़कर शेक पीकर जी रहे हैं. पर इस पूरी कवायद का शहरी यातायात को कोई लाभ नहीं मिल रहा है. 50-55 किलो का आदमी भी अब बड़ी, ऊंची, चौड़ी गाड़ियों की सवारी कर रहा है. गाड़ी कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाए, दिमाग से अभी भी लोग ऑटो रिक्शा ड्राइवर ही हैं. संकरी सी सड़क पर भी वे बाजू से होकर निकल जाना चाहते हैं. जब सड़कों से टेम्पो हटे तो लोगों ने राहत की सांस ली थी. टेम्पो की गंदी आदत थी कि जहां भी थोड़ी सी जगह दिखाई देती, अपना थूथना घुसा देती. बाजू से निकले हुए पिछले चक्के दो-चार को साथ में घसीट लेते. अब टेम्पो की जगह एसयूवी और एक्सयूवी ने ले ली है. चोला बदलने से इंसान नहीं बदल जाता. फितरत वही रहती है. इन सिकुड़े लोगों की फैली हुई गाड़ियों को जगह देने के लिए ही सड़कों को चौड़ा करने की जरूरत पड़ रही है. पहले दुकानों को पीछे हटाया और डिवाइडरों को पतला कर रहे हैं. हालांकि इसका यातायात को कोई बहुत ज्यादा लाभ होने की संभावना नहीं है. बस सड़क किनारे के दुकानदारों की बात रह जाएगी. रायपुर की कुछ सड़कों से तो काफी पहले ही डिवाइडर हटा दिये गये थे. डिवाइडरों के स्थान पर दुकानदारों की अपनी गाड़ियां खड़ी होती थीं. दरअसल, गाड़ियों का आकार प्रकार भले ही बढ़ रहा हो पर इसके सवारों की क्वालिटी दिन-ब-दिन खराब हो रही है. लोग गाड़ियों का उपयोग व्हीलचेयर की तरह करने लगे हैं. भिलाई के नेहरू नगर में सड़क पर सप्ताह में दो बार सब्जी मंडी लगती है. लोग अपनी 20 लाख की गाड़ी को व्हीलचेयर बनाए, बाजार में घूमते हैं और सब्जियां खरीदते हैं. स्थानीय सरकारें शहर की एक-एक इंच जगह बेच चुकी है. पार्किंग के लिए कोई जगह ही नहीं रही. वैसे भी इतनी बड़ी-घनी आबादी वाले देश में यदि सबके पास गाड़ी हो जाए तो पार्किंग की समस्या तो आएगी ही. रिहायशी गलियों से लेकर मॉल-शापिंग आर्केड तक का पार्किंग स्पेस कम पड़ रहा है. झगड़े हो रहे हैं. आने वाले समय में पार्किंग में ही सबसे ज्यादा इनोवेशन करना पड़ेगा.

संपादकीय

धनी-मानी लोग जेल में!

आईसीआईसीआई बैंक लोन धोखाधड़ी मामला धीरे-धीरे एक ऐसे कांड के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसमें 'जेल रेखा' से ऊपर समझे जाने वाले लोग गिरफ्तार किए गए हैं। ताजा गिरफ्तारी वीडियोकॉन ग्रुप के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की हुई है। भारत में ऐसा कम ही होता है कि कोराबार जगत के रसूखदार लोगों तक कानून के हा पहुंचे। इसीलिए जब ऐसा होता है, तो सहज यकीन नहीं होता कि सचमुच कानून अपना काम कर रहा है। बहरहाल, आईसीआईसीआई बैंक लोन धोखाधड़ी मामला धीरे-धीरे एक ऐसे कांड के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसमें 'जेल रेखा' से ऊपर समझे जाने वाले लोग गिरफ्तार किए गए हैं। ताजा गिरफ्तारी वीडियोकॉन ग्रुप के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की हुई है। इससे पहले चंदा कोचर और उनके पति गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आईसीआईसीआई बैंक की सीईओ और प्रबंध निदेशक चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को गिरफ्तार किया जा चुका है।

> कोचर को करोड़ों रुपए के इस धोखाधड़ी मामले के कारण 2018 में आईसीआईसीआई बैंक में अपने पद से हटना पड़ा था। तब उन्होंने अपने और अपने पति के खिलाफ सभी आरोपों से इनकार किया था। जाहिर है, धूत भी ऐसा ही करेंगे।

सीबीआई ने चंदा कोचर और उनके पति पर 2012 में वीडियोकॉन समूह को बैंक को दिए गए कर्ज के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। 71 साल के धूत को वीडियोकॉन समूह की कंपनियों को आईसीआईसीआई बैंक से मंजूर ऋण में कथित धोखाधड़ी और अनियमितताओं के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में 1,730 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी होने का आरोप है। इल्जाम है कि आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड ने ट्रेंड इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, सेंचुरी अप्लायंसेज लिमिटेड, कैल लिमिटेड, वैल्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड और इवान फ्रेजर एंड कंपनी इंडिया लिमिटेड को लगभग 3,250 करोड़ रुएये की क्रेडिट सुविधाओं को मंजूरी दी। ये सभी कंपनियां वेणुगोपाल धूत के वीडियोकॉन ग्रुप से संबंधित थीं। कोचर को करोड़ों रुपए के इस धोखाधड़ी मामले के कारण 2018 में आईसीआईसीआई बैंक में अपने पद से हटना पड़ा था। तब उन्होंने अपने और अपने पति के खिलाफ सभी आरोपों से इनकार किया था। जाहिर है, धूत भी ऐसा ही करेंगे। इसलिए अब इस मामले की जांच कर रही सीबीआई के सामने चुनौती अपने आरोपों को कोर्ट में साबित करने की होगी। यह भी क अनुभव है कि रसूखदार लोगों के खिलाफ अगर कभी जांच एजेंसियां कार्रवाई शुरू भी करती हैं, तो अदालत से ऐसे लोग बच निकलते हैं। बहरहाल, यह अवश्य ध्यान में रखना होगा कि इस कार्रवाई से ऐसा संदेश ना जाए कि कारोबारी जानबूझ कर निशाना बनाए जा रहे हैं। इसलिए सारी कार्यवाही ठोक-बजा कर आगे बढ़ाई जानी चाहिए।

किस किस का जिक्र कीजिए?

यह सिर्फ वर्ष 2022 की बात नहीं है, हर साल की बात है। भारत वह देश है जिसे किसी बात से फर्क नहीं पड़ता। साल आते हैं चले जाते हैं। दुनिया एक कदम आगे बढ़ती है, हम जहां खड़े हैं वहीं कदमताल करते हैं या पीछे चले जाते हैं। किसी को कोई चिंता नहीं होती। हाल में फुटबॉल का विश्व कप हुआ। दुनिया की 32 श्रेष्ठ टीमों ने उसमें हिस्सा लिया। हम कभी उसका हिस्सा नहीं रहे हैं लेकिन कोई बात नहीं है। अगली बार 48 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें एशिया की आठ टीमें होंगी। तब भी नहीं पहुंचे तो कोई बात नहीं है। दुनिया की दूसरी टीमों को खेलते देख कर तालियां बजाएंगे। हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है लेकिन उसमें भी ओलंपिक का गोल्ड मेडल भारत ने 42 साल पहले 1980 में जीता था। वह भी तब जब रूस में हुए ओलंपिक आयोजन का पश्चिम के कई देशों ने बहिष्कार किया था। सोचें, 1928 से 1956 तक लगातार छह गोल्ड मेडल जीतने वाला देश 42 साल से गोल्ड नहीं जीत सका। लेकिन किसको क्या फर्क पड़ता है।

हॉलीवुड की फिल्म 'अवतार' भारत में धूम मचा रही है। भारत की किसी भी भाषा में बनी किसी फिल्म से ज्यादा कमाई हो रही है। लेकिनहम गर्व से विदेशीफिल्म की कमाई के आंकड़े शेयर कर रहे हैं। हमें इस बात की परवाह नहीं होती कि हम क्यों नहीं ऐसी फिल्में बनाते हैं! हमारे कथित शो मैन क्यों ग्रैंड फिल्मों के नाम पर भोंडी फिल्में बनाते हैं, इसकी भी हमें चिंता नहीं। 'अवतार' देखते हुए हम इस बात को लेकर आंदोलित रहते हैं कि अमुक हिंदी फिल्म के अमुक गाने में हीरोइन ने भगवा रंग की बिकनी और हीरो ने हरे रंग की कमीज कैसे पहनी? भारत का फिल्म प्रमाणन बोर्ड तो ऐसा चिंता में रहता ही है। केंद्र और राज्य सरकारों के मंत्री भी इस चिंता में रहते हैं। उनकी चिंता देख कर करोड़ों लोग आश्वस्त होते हैं कि देखों उनके चुने हुए लोग उनके भले के लिए काम कर रहे हैं। विधर्मी उनकी भावनाओं को आहत नहीं कर पाएगें। हॉलीवुड में ऑस्कर की तैयारी चल रही है। हम इस बात से खुश हैं कि हमारे यहां की दो-तीन फिल्में शॉर्ट लिस्ट हुई हैं। लगभग सौ साल के इतिहास में भारत की सिर्फ चार फिल्में शॉर्टलिस्ट हो पाई हैं। लेकिन क्या फर्क पड़ता है। अभी नवंबर के महीने में नोबल पुरस्कारों की घोषणा हुई। हर साल की तरह इस साल भी भारत के किसी वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री, साहित्यकार का नाम उसमें नहीं था। आखिरी बार कोई 110 साल पहले भारत को साहित्य का नोबल मिला था। फिर कभी नहीं मिला। रविंद्रनाथ टैगोर हिंदुस्तान में रह कर नोबल हासिल करने वाले पहले व्यक्ति थे और दूसरे व्यक्ति चंद्रशेखर वेंकटरमन थे। इन दोनों को अपने ओरिजिनल काम के लिए नोबल मिला। वेंकटरमन को दुनिया रमन इफेक्ट के लिए जानती है। वे एशिया के पहले व्यक्ति थे, जिसे विज्ञान की किसी शाखा का नोबल मिला था। वह भी अंग्रेजों के राज में 1930 में। आजादी के बाद न किसी को साहित्य का नोबल मिला और न विज्ञान का। आजादी के बाद मदर टेरेसा और कैलाश सत्यार्थी ही ऐसे थे, जो भारत में रह कर काम कर रहे थे। बाकी जिनको भी नोबल मिला है वे सब विदेश में रह कर किसी विदेशी संस्था के लिए काम करते थे।

कर्नाटक के साथ कश्मीर में चुनाव!

जम्मू कश्मीर में चुनाव की तैयारियां शुरू हो गईं। परिसीमन का काम पूरा हो गया और मतदाता सूची भी तैयार हो गई। नवंबर में ही बता दिया गया की मतदाता सूची का काम पूरा हो गया और करीब पौने आठ लाख नए वोट जुड़े हैं। पार्टियां मतदाता सूची देख कर अपनी आपत्तियां दर्ज कराएंगी और उस हिसाब से जरूरी बदलाव करके अंतिम सूची जारी हो जाएगी। भाजपा नेताओं ने बताना शुरू कर दिया है कि कब चुनाव होंगे। ध्यान रहे आजकल चुनाव आयोग से पहले भाजपा के नेता ही बता देते हैं कि कब चुनावों की घोषणा होगी और कब तक चुनाव की प्रक्रिय पूरी हो जाएगी। एकाध अपवादों को छोड़ दें तो ज्यादातर समय उनकी बात सही भी साबित हो रही है।

बहरहाल, भाजपा के महासचिव और जम्मू कश्मीर में चुनाव का कामकाज देख रहे तरुण चुघ ने पार्टी कार्यकर्ताओं से जो कहा है उसका लब्बोलुआब यह है कि मई में जम्मू कश्मीर में चुनाव हो सकता है। यानी जब पहाड़ पर बर्फ पिघलनी शुरू होगी तभी राजनीतिक बर्फ भी पिघलेगी और करीब चार साल से स्थगित राजनीतिक प्रक्रिया फिर शुरू होगी। चुघ पहले तेलंगाना के प्रभारी थे, जहां अगले साल चुनाव होना है। लेकिन वहां सुनील बंसल को प्रभारी बनाया गया है और चुघ को जम्मू कश्मीर भेजा गया है तो उससे भी लग रहा है कि तैयारियां चुनाव की दिशा में बढ़ रही हैं। हालांकि अब भी भाजपा के जानकार सूत्र इस मामले पर बहुत उत्साह नहीं दिखाने की बात कर रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव तभी होंगे जब भाजपा अपनी जीत को लेकर आश्वस्त होगी। अगर स्थितियां अनुकूल होंगी और यह लगेगा कि राज्य में भाजपा अपना मुख्यमंत्री बना सकती है तभी चुनाव की घोषणा होगी अन्यथा मौजूदा व्यवस्था चलती रहेगी।

> आज साल का पहला दिन है और मैं जान-बूझकर अप्रिय मुद्दों पर चर्चा से बच रहा हूं। जब हम सकारात्मक सोच के साथ साल की शुरुआत करेंगे, तभी तो इस साल को सार्थक बनाने में अपना योगदान कर सकेंगे। मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें!

इस साल के कुछ संकेत

शशि शेखर

नए साल के पहले दिन कृपया मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें। उम्मीद है, यह साल कोरोना और रूस-यूक्रेन युद्ध के साये में उपजे अपशकुनों को सदा-सर्वदा के लिए दफ्न करने वाला साबित होगा।

ईस्वी सन 2023 भारत के लिए भी खासा अहम साबित होने जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अगली 14 अप्रैल को भारत चीन को पीछे छोड़ सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। उस दिन भारत की आबादी एक सौ बयालिस करोड़ सत्तावन लाख पचहत्तर हजार आठ सौ पचास (1,42,57,75,850) तक पहुंच चुकी होगी। आप जानते होंगे कि इस दिन पंजाब में बैसाखी का त्योहार मनाया जाता है। देश के अन्य भागों में भी यह दिवस उत्सव और उल्लास का होता है, बस इसके नाम अलग होते हैं। इस कृषि प्रधान देश की साझी संस्कृति और सभ्यता के समान सूत्रों में इस तारीख का सदियों से खास मुकाम रहा है।

सवाल उठता है, आबादी के इस अभूतपूर्व आंकड़े को हम उपलब्धि मानें या अवरोध?

विशाल जनसंख्या कुछ तकलीफ जरूर देती है, पर यही हमारी पूंजी भी है। हमारे पास आज संसार में सर्वाधिक स्नातक हैं। इतनी युवा और दक्ष आबादी दुनिया के किसी देश के पास नहीं है। लगभग 37 करोड़ की यह युवा-शक्ति देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने चीन में बरपे कोरोना कहर और रूस-यूक्रेन जंग के कारण चालू वित्त-वर्ष के लिए भारतीय विकास दर को 7.4 से घटाकर 6.9 फीसदी कर दिया है, पर हमारा शुमार संसार की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में होता रहेगा। विश्वव्यापी मंदी की आहटों के बीच यह अच्छी खबर है।

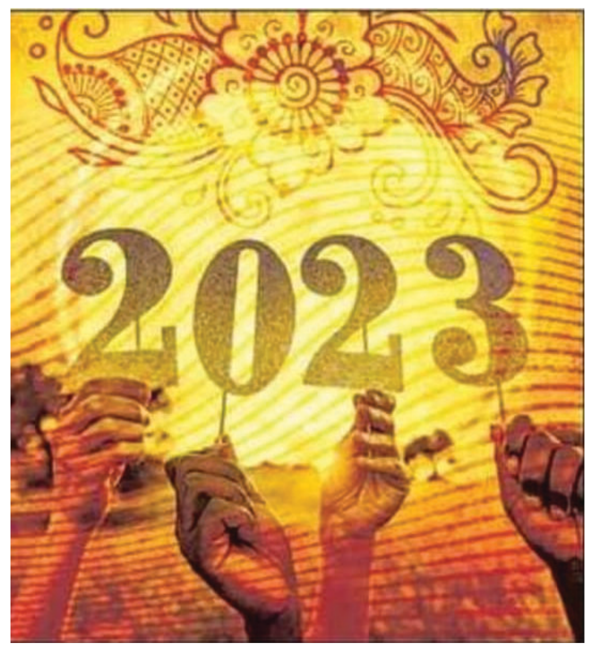

दक्ष युवा आबादी की एक और खूबी होती है। नौजवान तेजी से नई तकनीक और कार्य-संस्कृति को आत्मसात कर लेते हैं। इससे उत्पादकता बढ़ती है और लागत मूल्य घटता है। दुनिया भर के निवेशक इसीलिए भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। नतीजतन, हमारा विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 564 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। साथ ही, भारतीय शेयर बाजार बीएसई ने अकल्पनीय 63,583 अंक का कीर्तिमान गढ़ने में सफलता हासिल की है। इससे साफ है, परदेसियों के साथ बड़ी संख्या में देशी निवेशक भी बड़ी तादाद में शेयर बाजार से जुड़ रहे हैं। यह एक प्रगतिकामी मुल्क की निशानी है।

प्रगतिकामना का एक और उदाहरण। सिस्को के मुताबिक, साल 2023 में भारतीय 'इंटरनेट यूजर्स' की संख्या 90 करोड़ से ऊपर पहुंच जाएगी। यानी कुल आबादी का 64 फीसदी हिस्सा इस विकासशील तकनीक का लाभ उठा रहा होगा। तय है, कोविड के हमले के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' प्रयासों को मुकम्मल कामयाबी मिली है। 5-जी का विस्तार इस गति को तेजी प्रदान करने वाला साबित होगा। दिसंबर 2022 में भारत के 50 शहरों तक यह सेवा पहुंच चुकी है। इस साल इन्हीं दिनों में इसके 200 शहरों तक पहुंचने की उम्मीद है।

हम हिन्दुस्तानियों की खासियत है कि मन-मुताबिक तरक्की के बावजूद अपनी जमीन से हमारा मोह नहीं छूटता। इसीलिए स्वदेशी तकनीक और उत्पादों पर सरकार का जोर नए आकार ले रहा है। भारत में पिछले साल करीब 20 नए यूनीकॉर्न जुड़े। इसके साथ ही यूनीकॉर्न्स की संख्या बढ़कर 108 तक जा पहुंची है। हालांकि, अमेरिका और चीन के मुकाबले हम बहुत पीछे हैं। अमेरिका में 865 और चीन में 224 यूनीकॉर्न्स हैं। दूसरों की थाली में लबालब भरे व्यंजनों को देखकर हमें यह जरूर ध्यान रखना चाहिए कि पिछले कुछ सालों में हमने कितनी तेजी से अपनी थाली को भरने की सार्थक कोशिश की है। उम्मीद है, यह साल भारतीय यूनीकॉर्न और उभरते हुए 'बिलियनेयर्स' या 'मिलियनेयर्स' के लिए नए दरवाजे खोलता नजर आएगा। यहां एक सवाल सिर उठाता है, क्या ये लोग देश में पसर रही असमानता और बेरोजगारी में कमी लाने की कोशिश करेंगे? अब तक के आंकड़े उम्मीद जगाने वाले नहीं साबित हुए हैं। सरकार की प्रोत्साहन नीति का लाभ उठाकर ऊंचाई पर पहुंचने वालों को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

भारत ने इस वर्ष तक 125 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य भी रखा है। ऋग्वैदिक काल की ऋचाएं गवाह हैं कि हम हिन्दुस्तानी अपनी सभ्यता के उषाकाल से पर्यावरण का सम्मान करते आए हैं। इधर के सालों में इसमें आत्मघाती गिरावट देखी गई थी। उम्मीद है, हम पर्यावरण को नए साल में सर्वाधिक महत्व देंगे। प्रदूषण से लड़ना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। समाज और सियासत को मिलकर इसके लिए नए समीकरण गढ़ने होंगे।

यह आसान काम नहीं है। इधर कुछ वर्षों में हमारे पूर्वाग्रह दुराग्रहों में बदल गए हैं। इनके साथ कोई मुल्क आगे नहीं बढ़ सकता। क्या 2023 कुछ राहत की खबर लेकर आएगा? देश की सीमाओं की सुरक्षा के प्रति सियासी सूरमाओं को भी गंभीर नजरिया अपनाने की जरूरत है। ऐसा नहीं हुआ, तो हम लोगों की तरह आने वाली पीढ़ियां बुझे मन से कहा करेंगी कि हम हिन्दुस्तानियों को इतिहास से सबक सीखने का शऊर नहीं है।

यहां हमें दुनिया की बदलती परिस्थितियों पर भी एक नजर डालनी होगी। चीन में 2023 वैसा ही कहर भरा साबित होने जा रहा है, जैसा कि 2021 हमारे लिए हुआ था। इससे चीनी अर्थव्यवस्था पर संकट सघन होगा। इसका असर हम पर पड़ेगा, लेकिन हम इस आपदा को भी अवसर में तब्दील कर सकते हैं। पिछले साल जब भारत में 'सेमी-कंडक्टर्स' बनाने वाली फैक्टरियों की बुनियाद रखी गई, तो शी जिनपिंग की हरकतों से नाराज पश्चिम ने इसे हाथों-हाथ लिया था। उम्मीद है, इन परिस्थितियों में हम अपनी अर्थव्यवस्था को आयात के मुकाबले अधिक से अधिक निर्यातपरक बनाने पर जोर देंगे।

यही नहीं, हमें अपने कृषि क्षेत्र पर भी गौर करना होगा। आज तक हम दालों और खाद्य तेलों का आयात करते आए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध बंद नहीं हुआ, तो समूची दुनिया में अनाज व खाद्य तेलों का संकट और गहराने वाला है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों ने चेताया है कि कृषि उत्पादन में गिरावट के कारण अकेले 2023 में पश्चिम व मध्य अफ्रीका में भूख से बिलबिलाते लोगों की संख्या चार करोड़ अस्सी लाख तक पहुंच सकती है। इस खाद्यान्न संकट को मिटाने में हमारी बड़ी भूमिका हो सकती है। इसी तरह, इस साल दुनिया के अन्य हिस्सों में विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ नई उपलब्धियां गढ़ी जानी हैं। भारतीय नौजवानों को इनमें अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी।

खेतों से शरण मांगी थी खेती ने संभाल लिया

कोंडा उषारानी

> गरीबी का आलम, बीस वर्ष की उम्र में वैधव्य और दो नन्हे बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी ने अचानक उषा के जीवन को दुर्गम पहाड़-सा बना दिया था। दूसरों के घर में काम किया, सुरक्षा गार्ड की नौकरी भी की, लेकिन बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं हो पाती थीं।

कभी कॉलेज का मुंह न देख सकने वाली इस महिला ने देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक जेएनयू में एकत्र दिग्गज विशेषज्ञों के आगे साबित किया कि आगे बढ़ने का जुनून हो, तो हर चुनौती एक अवसर बन जाती है, वरना विलाप करने वालों की कमी कहां है!

यह सदी महिलाओं की है। इसके शुरुआती दो दशकों में ही मर्दों के दबदबे वाले कई दुर्धर्ष क्षेत्रों में अपनी काबिलियत साबित कर उन्होंने जता दिया है कि उन्हें सारा का सारा आकाश चाहिए, उनसे कम से कम की बात अब मत कीजिए। आधी आबादी का यह दमखम यकीनन इस दुनिया को कहीं बेहतर, कहीं अधिक संवेदनशील बनाएगा। आंध्र प्रदेश की 38 वर्षीया कोंडा उषारानी का संघर्ष, उनकी कामयाबी और उनके काम को मिली मान्यता इसकी एक मिसाल है।

गुंटूर जिले के नुटक्की गांव की उषारानी के परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, और जैसा कि अमूमन गरीब परिवारों में होता है, विषम परिस्थितियां सबसे पहले बच्चों से स्कूल-कॉलेज छीनती हैं। उषारानी भी इसी वजह से दसवीं के आगे न पढ़ सकीं। कॉलेज जाने की बड़ी हसरत थी, मगर हसरत और हकीकत के बीच बड़ा फासला था। फिर ऐसे घरों की बेटियों की पढ़ाई जब छूटती है, तो मां-बाप की पहली चिंता उनके विवाह की होती है। गांव की रवायत के मुताबिक 17 की उम्र में उषा के माता-पिता भी उनके हाथ पीले कर अपने दायित्व से मुक्त हो गए थे! मगर कम उम्र की शादी कैसे लड़कियों को मुश्किल में डाल देती है, उषा का जीवन इसका बड़ा उदाहरण है।

अभी तो वह अपनी जिंदगी के सवालों के उत्तर भी ठीक से पढ़ न सकी थीं कि दो नई जिंदगियां उनके दामन से आ लिपटीं। महज 20 की उम्र में उषा दो बेटों की मां बन चुकी थीं। बड़ा मुश्किल होता था दो-दो बच्चों को संभालना, मगर किससे शिकायत पालतीं, उनके जैसी सभी लड़कियां इस स्थिति को किसी तरह संभाल ही रही थीं। मगर नियति के पास उषा के लिए इससे भी अधिक कठिन सवाल थे। उम्र के इसी मोड़ पर पति का साथ हमेशा के लिए छूट गया था। एक सड़क हादसे ने उनकी जान ले ली थी।

गरीबी का आलम, बीस वर्ष की उम्र में वैधव्य और दो नन्हे बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी ने अचानक उषा के जीवन को दुर्गम पहाड़-सा बना दिया था। हालत यह थी कि कुछ महीने दूसरों के घर में

काम करना पड़ा, एक कंपनी में सुरक्षा गार्ड की नौकरी भी की, लेकिन उससे होने वाली आमदनी से बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं हो पाती थीं। रह-रहकर मन में यही हूक उठती कि वह अपने दोनों बच्चों को कैसे पढ़ा-लिखा पाएंगी?

साल 2013 की बात है। उन दिनों वह गांव-गांव घूमकर एक कंपनी के उत्पाद बेचा करती थीं। लहलहाते खेतों ने एक दिन उषा का मन मोह लिया। उनके परिवार के पास गांव में कुछ जमीन थी। उषा उसकी शरण में पहुंचीं। एक एकड़ से कुछ कम के इस खेत में उन्होंने हल्दी की खेती शुरू कर दी। जाहिर है, अनुभव नहीं था। दूसरे किसानों का अनुकरण करते हुए उषा ने भी अधिक उत्पादन की मंशा से कीटनाशकों का भरपूर इस्तेमाल किया। लेकिन अगले दो-तीन साल बाद ही उन्हें लगने लगा कि रासायनिक कीटनाशक न सिर्फखेत की उर्वरा शक्ति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि इससे उनकी सेहत पर भी असर पड़ रहा है।

उनके साथ-साथ अन्य किसानों ने भी अपनी सेहत के हवाले से इस बात को महसूस किया था। उषा को लगा कि अगर इन रसायनों के कारण कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या हुई, तो उनके बच्चों और परिवार का क्या होगा? लिहाजा 2016 में उन्होंने प्राकृतिक खेती से संबंधित कुछ कार्यशालाओं में भाग लिया। गुंटूर में राजकीय कृषि विभाग में कार्यरत सुभाष पालेकर ने उषा को इसकी बारीकियों से अवगत कराया। प्राकृतिक खेती का रास्ता ही उषा को मुफीद जान पड़ा। अपने व परिवार के स्वास्थ्य के साथ-साथ उन्हें उस खेत की सेहत का भी ख्याल रखना था, जिसकी शरण में वह पहुंची थीं।

रास्ता मिल गया था, तो सफर भी आसान लगने लगा। उषा ने कुछ और खेत किराये पर लिए और उनमें प्राकृतिक खेती शुरू कर दी। फायदा भी हुआ और संतुष्टि भी मिली। आज वह लगभग छह एकड़ भूमि पर खेती करती हैं, जिनमें से पांच एकड़ में धान उपजाती हैं और एक एकड़ में हल्दी। इसके साथ-साथ उन्होंने खेतों की मेड़ पर कुछ फलों के पेड़ भी लगा दिए हैं। इन खेतों के लिए उषा खुद ही खाद तैयार करती हैं। मवेशियों के गोबर, गोमूत्र और नीम आदि के पत्रों तथा घरेलू कचरों से वह 'घनजीवमृतम' व 'द्रव्यजीवमृतम' तैयार करती हैं और उन्हें दूसरे किसानों को भी बेचती हैं। इसके लिए उन्होंने गांव में एक दुकान भी खोल ली है। अनुभव से अर्जित ज्ञान की प्रामाणिकता का असर यह रहा कि आंध्र के करीब 500 से अधिक छोटे-बड़े किसान अब तक प्राकृतिक खेती के गुर उषा से सीख चुके हैं और उनके जैविक खाद, बीज और कीटनाशकों की मांग तेजी से बढ़ती जा रही है। साल 2020 में उन्होंने इसकी ऑनलाइन बिक्री के लिए एक वेबसाइट भी शुरू की है। साथ ही विभिन्न कृषि प्रदर्शनियों के जरिये भी वह अपने उत्पादों को बेचती हैं। इसके लिए वह गांव के बीस से अधिक किसानों से प्राकृतिक कृषि उत्पाद एकत्र करती हैं। आस-पास के करीब डेढ़ दर्जन गांवों में उनके उत्पाद बिक रहे हैं और साझीदार किसानों को भी अपनी उपज का बाजार से अधिक मुनाफा मिल रहा है।

हाल ही में जेएनयू में एक राष्ट्रीय सम्मेलन 'रोल ऑफ वुमेन इन साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट ऑफ आत्मनिर्भर भारत' आयोजित हुआ था, जिसमें उषारानी को अपनी प्रस्तुति देने का अवसर मिला। उषा की प्रस्तुति को प्रथम पुरस्कार मिला। कभी कॉलेज का मुंह न देख सकने वाली इस महिला ने देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक जेएनयू में एकत्र दिग्गज विशेषज्ञों के आगे यह साबित किया कि आगे बढ़ने का जुनून हो, तो हर चुनौती एक अवसर बन जाती है, वरना विलाप करने वालों की कमी कहां है!

प्रस्तुति चंद्रकांत सिंह

लेखकों से पूछिए दिसंबर का दर्द

सुधीश पचौरी, हिंदी साहित्यकार

हाय! उसे मिला, मुझे न मिला। इस बार फिर मेरा नाम आने से रह गया। हाय! मिलना तो उसे चाहिए था, लेकिन दिया उसे गया। इतने सीनियर लेखकों को छोड़ एक नए अज्ञात कुलशील को दे दिया गया। कमेटी मक्कार है, उसको धिक्कार है। हाय! जरा देखो तो, जिसे वह-वह सम्मान मिल चुका हो, उसे यह तो मिलना ही चाहिए था, लेकिन उसे नहीं दिया गया, बल्कि उसके मुकाबले एक दो टके के कवि को दे दिया गया। यह शुद्ध रूप से अन्याय है। कमेटी की समझ पर शर्म आती है।

एक कराह रहा है कि हाय! उसने खुद अपने गले में माला डाल ली और बेशर्म को शर्म तक न आई। यह दिसंबर का महीना ऐसा ही जालिम होता है, जो घोर ठंड में भी जलाता है। अब जिसे सम्मान मिलता है, वह पार्टी मारता है, बाकी सब जलते-रोते हैं। हिंदी में जलन और रुदन एक साथ चलते हैं। कोई जल-जलकर रोता है, तो कोई रो-रोकर जलता है और कोई-कोई तो महीनों तक धुंधुआता रहता है।

दिसंबर छोड़ बाकी महीने हिंदी के लेखक किसी पहुंचे हुए संत का बाना धारण कर गाने लगते हैं, संतन को कहा सीकरी सो काम? यानी हम इनामों, इकरामों, सम्मानों, पुरस्कारों के लिए नहीं लिखते, हम तो जनता के लिए लिखते हैं, उसके संघर्षों का चित्रण करते हैं, उसे प्रेरित करने के लिए लिखते हैं, उसके हक की आवाज उठाते हैं। हम न तो बाजारू हैं और न ही बिकाऊ। हम अपने सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं करते! मगर जैसे ही दिसंबर का महीना आता है, एक को छोड़ अधिकांश हिंदी लेखक रोने लगते हैं कि हाय! हमें न मिला, हमें न मिला.... बतर्ज एक वो ना मिला, सारी दुनिया मिले भी तो

क्या है!

हिंदी ऐसी ही भाषा है। उसकी कल्चर भी ऐसी ही है। हिंदी वाला कहता कुछ है, करता कुछ है। ऊपर-ऊपर से हंसता है, अंदर-अंदर रोता है। हिंदी के साहित्यकार चाहे कितनी भी ऊंची हांकें, सभी के प्राण सम्मान-पुरस्कार में पड़े रहते हैं; और वे एक-दो सम्मान के लिए नहीं जीते, संसार के सारे सम्मान हमें ही मिलें इसी के लिए जीते-मरते हैं। सबकी एक ही लाइन होती है कि हमें मिला तो सही, किसी और को मिला तो गलत। जिस तरह बच्चे करते हैं, हिंदी वाले भी उसी तरह करते हैं। जिसे सम्मान मिलता है, वह खुश होता है, जिसे नहीं मिलता, वह रोता है। बच्चों के आंसू पोंछने के लिए तो 'सांत्वना पुरस्कार' होते हैं, लेकिन लेखकों के लिए सांत्वना सम्मान नहीं होते।

यूं हिंदी साहित्य हजार बरस से अधिक की उम्र का है, लेकिन हिंदी का लेखक अभी भी 'शैशवास्था' में ही रहता है। जिस तरह बच्चा टॉफियों के लिए जीता है, उसी तरह से हिंदी लेखक भी सम्मान रूपी टॉफियों के लिए जीते-मरते हैं। उसे यह चाहिए, वह चाहिए और अभी चाहिए। अगर नहीं मिले, तो फैल जाता है, रौला मचा देता है, रूठ जाता है।

हिंदी साहित्यकारों के सारे वर्ग-संघर्ष, सारे विचारधारात्मक संघर्ष और सारे आत्म-संघर्ष इसी तरह रूठने-मटकने के संस्करण होते हैं और सारी मित्रताएं-शत्रुताएं इसी वजह से तय होती हैं कि किसे, क्या, कब और कैसे मिला? किससे मिला? किसके जरिये मिला? किसके जैक से मिला, किस 'कमेटीश्वर' की सेवा-सेटिंग से मिला?

और भैये मानकों की बात ही क्या? साहित्य के मानक मनमाने ही होते हैं। जिन दिनों 'नोबेल' तक के मानक संदिग्ध माने जाते हों, उन दिनों हिंदी में मानकों की क्या औकात?

तो भी दिसंबर का दर्द एक साहित्यिक दर्द होता है। जिसे मिलता है, वह पहले रो चुका होता है। जिसे नहीं मिला, उसे अगले बरस तक रोना होता है और फिर से सेटिंग-बैटिंग करनी होती है! जिसकी फल गई वह खुश, जिसकी न फली वह नाखुश! हमारी मानें, तो जिसे मिला वह ठीक, जिसे नहीं मिला वह और भी ठीक!

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

आरक्षण विधेयक को लेकर कांग्रेस की जन अधिकार रैली 3 को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आरक्षण विधेयक को राजभवन में लटकाये जाने तथा आरक्षण संशोधन विधेयक पर भाजपा के चरित्र को बेनकाब करने कांग्रेस के द्वारा 3 जनवरी को जन अधिकार महारैली राजधानी के साइंस कॉलेज में आयोजित की गयी है। सर्व समाज के प्रमुखों ने जन अधिकार रैली को समर्थन दिया है 70 से अधिक समाजों के प्रमुखों ने प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम से मुलाकात कर टेलीफोनिक चर्चा कर तथा लिखित में भी समर्थन देकर रैली में शामिल होने पर सहमति जताई है। विभिन्न समाजों के लोग जन अधिकार रैली में अपने समाज का बैनर लेकर शामिल होंगे तथा आरक्षण संशोधन विधेयक को जिस प्रकार से राजभवन में रोका गया है उस पर अपना प्रतिरोध जतायेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम दिनभर राजीव भवन में विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनसे रैली में शामिल होने के लिये समर्थन मांगा। समाज प्रमुखों ने भी कहा कि कांग्रेस आम आदमी वंचित वर्ग की लड़ाई लड़ रही है। हम सब पूरी एकजुटता से जन अधिकार रैली में शामिल होंगे। आरक्षण संशोधन पर हस्ताक्षर नहीं होने के सभी का अहित हो रहा है इस पर तत्काल हस्ताक्षर होना चाहिये। कांग्रेस की सरकार ने सभी समाज के साथ न्याय किया है। इसको रोकना गलत है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि जन अधिकार रैली भाजपा के आरक्षण विरोधी चरित्र को बेनकाब करने के लिये छत्तीसगढ़ के सर्व सामाज का प्रतिरोध है। इस महारैली में प्रदेश के कोने-कोने से एक लाख से अधिक लोग शामिल होंगे तथा अपने हक एवं अधिकार की बात करेंगे। कांग्रेस के 90 विधानसभा तथा 307 ब्लॉको के कार्यकर्ता इस रैली में शामिल होंगे। सभी जिलाध्यक्षों एवं कांग्रेस के विधायक गण अपने क्षेत्र के लोगों के साथ रैली में शामिल होंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आरक्षण संशोधन विधेयक विधानसभा में पारित हो गया तो राजभवन को तत्काल हस्ताक्षर कर देना चाहिये। राजभवन में इसके पहले भी जब कृषि संशोधन विधेयक पारित हुआ था तब भी हस्ताक्षर करने में विलंब हुआ था। इस देरी से गलत संदेश जनता के बीच जा रहा जो राजभवन की गरिमा के विपरीत है। आरक्षण संशोधन विधेयक छत्तीसगढ़ के सभी समाज के हितों का सवाल हैं। छत्तीसगढ़ के ओबीसी वर्ग के हितों का सवाल है। छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जाति वर्ग एवं अनारक्षित वर्ग के गरीबों के हितो का सवाल है। 76 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। इसमें राजभवन को तत्काल हस्ताक्षर करना चाहिये। भारतीय जनता पार्टी नहीं चाहती कि यह बिल, कानून बने इसीलिये वह राजभवन में इस बिल पर हस्ताक्षर नहीं होने दे रही। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि विधानसभा ने पूर्ण बहुमत एवं ध्वनि मत से विधेयक को पारित किया है। आरक्षण संशोधन विधेयक सभी पहलुओं को देखने के बाद ही विधानसभा में लाया गया था तथा विधेयक लाने के तार्किक आधार को सरकार ने एकत्रित किया है।

आदिवासी क्षेत्र की बेटी का हुआ एमबीबीएस में चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दल्लीराजहरा। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र ग्राम अरमुरकसा की गरीब परिवार की बेटी कविता उर्वशा का चयन एम् बी बी एस में हुआ है। छात्रा के इस चयन पर ग्राम व अंचल में खुशी की लहर दौड़ गई,और उनके घर में बधाई देने वालो का ताँता लग गया।

कुसुमकसा क्षेत्र के जनपद सदस्य संजय बैस को इस बात की जानकारी मिलते ही उन्होंने छात्रा से मिलकर बधाई दी, साथ ही साथ कुसुमकसा में हलबा हलबी समाज द्वारा आयोजित शक्ति दिवस कार्यक्रम पर कविता उर्वशा का सम्मान शाल एवं श्री फल से किया गया।

छोटे से कसबे ग्राम अरमुरकसा में निवासरत इस बेटी के पिता पेशे से राज मिस्त्री व किसानी कार्य करते है। कविता उर्वशा ने बताया कि उसने प्राथमिक शिक्षा पहली से पांचवी तक अपने गाँव अरमुरकसा में की इसके बाद छठवीं से दसवीं तक की पढाई समीपस्थ ग्राम पथरा टोला में की। कक्षा दसवीं पढ़ते-पढ़ते ही इन्होने प्रयास परीक्षा को बालोद से उत्तीर्ण किया। इनका चयन प्रयास आवासीय विद्यालय रायपुर के लिए चयन हुआ। यहाँ इन्होने कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसी दौरान यहाँ के शिक्षकों ने नीट परीक्षा की तैयारी के सम्बन्ध में बताया । कविता उर्वशा ने कक्षा बारहवीं के बाद नीट परीक्षा पास करने के लिए भिलाई के एक निजी संस्था से कोचिंग की,कोचिंग के दौरान कोरोना महामारी के चलते लाक डाउन लग गया और कोचिंग से वंचित होना पड़ गया। इसके बाद इन्होने लगभग 8 से 10 घंटे पढ़ना घर में ही शुरू कर दिया। कड़ी मेहनत और लगन रंग लाई। इन्होने नीट की परीक्षा उतीर्ण की जिससे इनका चयन राजनांदगांव के भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी मेमोरियल मेडिकल कालेज में एम् बी बी एस के लिए हुआ।

छात्रा कविता को बचपन से ही पढ़ने की रूचि थी और डॉक्टर बनना चाहती थी। इसी के चलते इन्होने चिकित्सा क्षेत्र को चुना। एम् बी बी एस की पढाई पूरी करने के पश्चात् स्वास्थ सेवा अपने क्षेत्र में देना चाहती है। इनकी इस उपलब्धि पर ग्राम व समाज एवं आस पास के लोगो ने हर्ष जाहिर कर बधाई दी है।

खास खबर

शिक्षा गुणवत्ता सुधार के लिए प्राचार्यों की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

कोंडागांव। राज्य शासन द्वारा लागू किए जाने विभिन्न योजनाओं, गतिविधियों, निर्देशों, कार्यों का क्रियान्वयन गुणवत्तापूर्वक तरीके से प्रत्येक शालाओं में किया जा सके। इसी तारतम्य में कलेक्ट्रेट कोण्डागांव के सभाकक्ष में शनिवार को जिले के समस्त प्राचार्यों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षक डीआरजी मानस साहू एवं प्राचार्य शिवलाल शर्मा ने दसवीं तथा बारहवीं बोर्ड परीक्षा के पैटर्न और गणित विषय के संबंध में जानकारी दी। व्याख्याता राजीव नयन तिवारी ने जीव विज्ञान के बारे में जानकारी दी। इस कार्यशाला में प्राचार्यों को विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया गया, जिसके अंतर्गत कोरोना महामारी के दौरान शालाओं में प्रभावित हुई बच्चों की शिक्षा एवं रचनात्मक तथा खेलकूद गतिविधियों की भरपाई के लिए किये गये प्रयास, योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियां एवं सुधार हेतु उपाय, एनएएस एवं एएसएआर सर्वे रिपोर्ट्स में सुधार हेतु किए जा रहे प्रयास,संकुल समन्वयकों के कार्य एवं जिम्मेदारी, एफएलएन विकास पर फोकस, मुस्कान पुस्तकालय का बेहतर उपयोग, शाला अनुदानों का बेहतर एवं प्रभावी उपयोग, प्रिंट रिच वातावरण का निर्माण, टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग, सुघ्घर पढ़वईया कार्यक्रम, शालाओं में नियमित उपस्थिति एवं ड्रॉप आउट रोकने हेतु सार्थक प्रयास, मासिक चर्चा पत्र के आधार पर शालाओं में गतिविधियों का आयोजन, उपचारात्मक शिक्षण हेतु मिशन लर्निंग आउटकम कंप्लीशन, शाला संकुल के माध्यम से निरीक्षण हेतु टिप्स, शाला संकुल में नवाचार के अवसर तथा विद्यालय विकास नेतृत्व आदि बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल, जिला मिशन समन्वयक महेंद्र पांडे के मार्गदर्शन में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सक्रिय सहभागिता से संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने की छत्तीसगढ़ के मिलेट मिशन की तारीफ, कहा-

रायपुर में खोले मिलेट-कैफे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी की माता के निधन पर गहरी संवेदना जताई। साथ ही उन्हें छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्र सहित अन्य क्षेत्रों में हो रही प्रगति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने उन्हें राज्य में संचालित मिलेट मिशन के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में मिलेट्स का प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मिलेट मिशन की तारीफ करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर में मिलेट कैफे शुरू करें।

इस दौरान बघेल ने उन्हें केन्द्र के पास लंबित छत्तीसगढ़ की राजस्व राशियों के बारे में भी अवगत कराया और शीघ्र प्रदायगी का अनुरोध किया। श्री बघेल ने राज्य में विभिन्न नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए केन्द्र से सहायता का भी अनुरोध किया। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ में मिलेट का उत्पादन बड़ी मात्रा में होता है। राज्य में कोदो कुटकी का समर्थन मूल्य 3000 रुपये क्विंटल घोषित किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री को जानकारी दी देश का पहला मिलेट बैंक की शुरूआत छत्तीसगढ़ में की गई है। जहां 22 प्रकार के मिलेट का उत्पादन होता है। प्रधानमंत्री ने मिलेट मिशन की सराहना करते हुए रायपुर में मिलेट कैफे शुरू करने की सलाह दी।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री बघेल ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद अन्य उत्पादक राज्यों की तरह ही छत्तीसगढ़ को भी वाणिज्यिक कर राजस्व में कमी का सामना करना पड रहा है। जी.एस.टी. लागू होने के दिनांक से 30 जून, 2022 तक छत्तीसगढ़ राज्य को देय जी.एस.टी. क्षतिपूर्ति राशि में से 1375 करोड़ रूपए राज्य को प्राप्त होना शेष है। यह राशि राज्य को शीघ्र प्रदाय की जाए। सीएम बघेल ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा 2014 में निरस्त कोल ब्लाकों से एडीशनल लेवी की वसूली केन्द्र शासन द्वारा प्राप्त की गयी है। छत्तीसगढ़ राज्य के कोल ब्लाकों से इस मद से की गयी वसूली की राशि लगभग 4170 करोड़ रूपए राज्य को अंतरित करने के लिए केन्द्र शासन से अनेक बार अनुरोध किया गया है, किन्तु राशि अप्राप्त है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि राशि शीघ्र राज्य को अंतरित की जाए।

सीएम बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित स्पंज आयरन और स्टील उद्योगों का ईंधन आवश्यकता के लिये साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (स्श्वष्टरु) से कोयले की आपूर्ति में विगत 06 माह में लगातार समस्या आ रही है। इस कारण से राज्य के उद्योगों के संचालन में लगातार कठिनाई बनी हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि राज्य के उद्योगों को कोयला प्रदाय के लिए स्श्वष्टरुको राज्य नोडल एजेंसी से शीघ्र अनुबंध तथा कोयला आबंटन करने के निर्देश देवें। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिये हावड़ा-मुम्बई ट्रेन रूट जीवन रेखा की तरह है, परन्तु इस वर्ष रेलवे द्वारा समय-समय पर बहुत अधिक संख्या में यात्री ट्रेनों का परिचालन बंद किया जाता रहा है। इस प्रकार के ट्रेनों का परिचालन बंद करने के पूर्व कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की जाती हैं। ट्रेनों का परिचालन बंद करने के कारण मध्यम एवं निम्न वर्ग के लोगों को बहुत ज्यादा असुविधा का सामना करना होता है तथा रोजगार व्यवसाय के लिए उन्हें असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। शीत ऋतु के दौरान यात्रा के लिए आम नागरिकों के लिए रेल माध्यम ही सहज तथा सुगम है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए भविष्य में प्रदेश में पर्याप्त और समुचित वैकल्पिक व्यवस्था के बिना ट्रेनों को निरस्त नहीं करने के संबंध में संबंधितों को आदेश देने की कृपा करें।

प्रदेश में धान खरीदी नये रिकार्ड की ओर-कांग्रेस

भरपूर कीमत पूरी खरीदी भूपेश सरकार का लक्ष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में इस वर्ष भी धान खरीदी ऐतिहासिक लक्ष्य की ओर अग्रसर है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इस वर्ष कांग्रेस सरकार ने 110 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य निर्धारित किया है। दो महीने में सरकार ने 19 लाख किसानों से 79 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी कर लिया है। अभी धान खरीदी की अंतिम तिथि को एक महिने बचा है। इस वर्ष सरकार तीन महिने तक धान खरीदी करेगी जो 31 जनवरी तक चलेगा।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों पर किसान अपने धान को सुगमता से बेच सके इसके लिये तमाम सुविधायें सरकार ने उपलब्ध कराया है। साथ ही बारदाने की उपलब्धता और टोकन की व्यवस्था को दुरुस्त रखा गया है। धान खरीदी को लेकर हमेशा अनर्गल आरोप लगाने वाली भाजपा की बोलती भी बंद है। धान खरीदी जिस रफ्तार से हो रही पूरा भरोसा है। इस वर्ष कांग्रेस सरकार धान खरीदी का अपना पुराना रिकार्ड तोड़ देगी तथा अंतिम तिथि तक 26 लाख से अधिक किसान 110 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो जायेगी।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि इस साल राज्य में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 2.26 लाख नये किसान शामिल है। राज्य में धान खरीदी के लिए 2600 उपार्जन केंद्र बनाए गए है। सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रू. प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है तथा राजीव गांधी किसान न्याय योजना की 9000 इनपुट सब्सिडी को जोड़ने पर किसानों को 2640 रू. कीमत मिलेगी जो कांग्रेस के 2018 के चुनावी घोषणा से भी 140 रू. ज्यादा है। 15 साल भाजपा के वायदा खिलाफी के बाद भूपेश बघेल की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ का किसान खुशहाल हुआ है और खेती लाभ का व्यवसाय बना है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा के राज में किसानों से धोखा होता था। रमन सिंह ने अपने तीनों कार्यकाल के 15 सालों में 6 साल तक किसानों को बोनस नहीं दिया था। रमन सिंह और भाजपा को अपने वायदा खिलाफी के लिये किसानों से माफी मांगना चाहिए। 2100 रू. समर्थन मूल्य की वायदा खिलाफी के लिये भी रमन और भाजपा को किसानों से माफी मांगनी चाहिए।

जल जीवन मिशनः नल लगने से उमेश्वरी ने बनाया अपने घर में किचन गार्डन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गरियाबंद मुख्यालय से लगभग 23 कि.मी. दूर ग्राम पंचायत बिन्द्रानवागढ़ के आश्रित ग्राम परियाबाहरा जो कि राष्ट्रीय राजमार्ग से लगभग 6 कि.मी. पर स्थित है। ग्राम के बाबा मंदिर के पास कु. उमेश्वरी यादव का घर है जहां कुल माता - पिता को मिलाकर 9 सदस्य निवास करते हैं, घर में आय का साधन के लिए कृषि पर निर्भर हैं, कुमारी उमेश्वरी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिन्द्रानवागढ़ के नवमीं कक्षा में पढ़ती है,उमेश्वरी और उनके परिवार नल से पेयजल के रूप में पानी का भरपुर उपयोग करते है। पहले दूर से पानी लाना पड़ता था। पर्याप्त पानी मिलने की वजह से नल का सदुपयोग करते हुए एक आदर्श किचन गार्डन भी विकसित किया है, जिसमें पालक भाजी, लाल भाजी, भिण्डी, धनिया, फूलगोभी इत्यादि सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं और सब्जी भाजी के खर्च को घर से बाड़ी से ही निकाल रहे हैं।

कुमारी उमेश्वरी का कहना था जब से जल जीवन मिशन से उनके घर में नल लगा है, तब से पीने, नहाने, कपड़ा धोने, बर्तन साफ करने के पश्चात् जो पानी व्यर्थ होता है उस पानी का पूर्ण उपयोग करते हुए साग भाजी उगाते हैं जिससे कि उन्हें बाहर से सब्जी खरीदने की आवश्यकता ही नहीं पड़ी, साथ ही साथ अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि पानी कि दिक्कतों के कारण शाला में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती थी क्योंकि पानी लाने में आधा समय व्यर्थ हो जाता था। अब वह शाला में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

मालगॉव में स्थापित होगा कोसा भंडारण

गरियाबंद। कलेक्टर प्रभात मलिक द्वारा ग्राम मालगॉव में कोसा भण्डारण एवं धागाकरण कार्य हेतु अधोसंरचना विकास एवं पर्यावरण निधि मद से 10 लाख रुपये का प्रशासकीय स्वीकृति प्रदाय की गई है। सहायक संचालक रेशम एस. के. कोल्हेकर द्वारा अवगत कराया गया की ग्राम पंचायत मालगांव द्वारा पारित प्रस्ताव एवं पटवारी के द्वारा दिये गये भूमि के नजरी नक्सा के आधार पर मालगांव में कोसा विकास स्व सहायता समूह के लिये जिला पंचायत गरियाबंद को 10 लाख रूपये का प्रोजेक्ट तैयार कर प्रेषित किया गया था। कोसा धागाकरण उपकरण एवं प्रशिक्षण कार्य के लिए पांच लाख पचास हजार रूपये का प्रावधान किया गया है।

खास खबर...

कॉलेजों में परीक्षा के लिए 1.54 लाख आवेदन, सात जनवरी तक बढ़ी तिथि

रायपुर (ए)। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अंतर्गत कॉलेजों में मुख्य परीक्षा के लिए अब तक 1.54 लाख छात्रों ने आवेदन किया है। नियमित और निजी परीक्षा देने वाले कई छात्र आवेदन नहीं कर पाए हैं। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय प्रबंधन ने आवेदन की अंतिम तिथि सात जनवरी तक बढ़ा दी है। प्रबंधन का कहना है कि 20 जनवरी को सभी पाठ्यक्रमों में होने वाले परीक्षा का टाइम टेबल जारी कर दिया जाएगा।

बता दें परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि समाप्त होने के बाद भी कई छात्रों के आवेदन न हो पाने के मामले में एनएसयूआइ के छात्र नेता कुलसचिव डॉक्टर शैलेंद्र पटेल से मिले थे। छात्रों ने समस्याओं से अवगत कराया और मांग पत्र सौंपा। इसमें छात्रों ने तिथि बढ़ाने की मांग की थी, जिसपर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने त्वरित निर्णय लेते हुए परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि सात जनवरी कर दी है। विश्वविद्यालय के छात्र संघ अध्यक्ष हरिओम तिवारी, वैभव मुजेवार, अंकित शर्मा, आलोक सिंह, अनिकेत समेत अन्य छात्रों ने ज्ञापन दिया था।

फार्मेसी में सीट आवंटन के बाद प्रवेश प्रक्रिया 31 दिसंबर तक है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रवेश के लिए 4,000 से अधिक आवेदन आए हैं। 30 दिसंबर को सीट आवंटन के साथ ही 31 दिसंबर शाम पांच बजे तक छात्र प्रवेश ले सकेंगे। बता दें राज्य में बी फार्मेसी, डी फार्मेसी की 5,891 सीटें हैं। एम फार्मेसी में 314 सीटें हैं। वहीं लेटरल एंट्री में फार्मेसी की 664 हैं। पिछले वर्ष करीब 95 प्रतिशत तक सीटें भर गई थी। इस बार सीटें भरने की चुनौती है।

रायपुर में लोगों ने की नए साल की शुभ शुरुआत, महामाया सहित प्रमुख मंदिरों में पहुंची भक्तों की भीड़

रायपुर (ए)। दुनियाभर में नए साल के पहले दिन की शुरुआत लोग अलग-अलग अंदाज में करते हैं। रायपुर में महामाया मंदिर और काली मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं। यहां नववर्ष के पहले दिन भक्तों ने पुरानी बस्ती के महामाया मंदिर और कालीबाड़ी के काली मंदिर में देवी के दर्शन कर अपने नए साल की शुरूआत कर सफलता और सुख शांति की प्रार्थना की।

इससे पहले नववर्ष- 2023 के स्वागत में राजधानी के लोग देर रात तक जश्न में डूबे रहे। होटलों में डीजे की धुन व आर्केस्ट्रा के साथ मनपसंद गानों पर लोग डिस्को ट्रैक पर थिरकते रहे। जैसे ही रात के 12 बजे, वैसे ही जोरदार आतिशबाजी के साथ लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं देने लगे और केक काटकर बधाइयां देते रहे। इसके बाद लोगों ने मनपसंद व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

नए साल का जश्न मनाने के लिए पहुंचे लोगों के कारण वीआइपी रोड पर गाड़ियों की लंबी लाइन भी लगी रही। होटलों के साथ ही शहर की कालोनियों और चौक-चौराहों पर नए साल का जश्न मनाया गया। वहीं दूसरी ओर शहर के कुछ मंदिर भी देर रात तक खुले रहे और वहां भजन-कीर्तन और भगवान की आराधना की गई। नए साल के जश्न मनाने पहुंचे लोगों के लिए होटलों में लाइट म्यूजिक के साथ कैंडिल लाइट डिनर की भी व्यवस्था थी। इसके साथ ही लोगों को खाने के बिल पर 22 प्रतिशत तक छूट का भी लाभ मिला।

ट्रांसफार्मर की आड़ में फिर से अतिक्रमण, कब्जा हटाओ अभियान बंद होने का फायदा उठा रहे कब्जेबाज

रायपुर (ए)। यातायात में बाधक बने बिजली ट्रांसफार्मरों की वजह से फिर से अतिक्रमण होने लगा है। शहर में मालवीय रोड, केके रोड, एमजी रोड, लाखेनगर, फाफाडीह रोड, पंडरी आदि में जगह-जगह अतिक्रमण हो रहा है। सड़क-फुटपाथ पर लगे बिजली ट्रांसफार्मर और खंभे लगातार हादसे की वजह बन रहे हैं। इसके कारण जहां जाम की समस्या आम है। वहीं ट्रांसफार्मर की आड़ में छोटे दुकानदार कब्जा जमाकर दुकानदारी भी कर रहे हैं। शहर में बिजली ट्रांसफार्मर की आड़ में अतिक्रमण करना काफी आसान हो गया है। जब चाहे लोग खाली जगह देखकर कब्जा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। दरअसल सालों पहले शहर में पांच हजार से अधिक स्थानों पर बिजली विभाग ने जब बिजली ट्रांसफार्मर स्थापित किया था, तब सड़कों की चौड़ाई अधिकतम 10 से 15 फीट थी।

चार साल में लोगों की आय में वृद्धि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और संस्कृति के संरक्षण के क्षेत्र में हुए कार्यः भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर में एक चैनल के कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की, उनसे छत्तीसगढ़ के अहम विषयों के बारे में चर्चा हुई। श्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का माताजी का देहावसान हुआ है। माता की मृत्यु बड़ी पीड़ा दायक स्थिति होती है। इस समय कोई अन्य व्यक्ति सभी कार्यक्रमों को स्थगित कर अंतिम संस्कार के पश्चात् होने वाले क्रियाओं में शामिल होता। मगर मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में जिम्मेदारी को सर्वोच्च रखते हुए वापस अपने कार्य में लौट गए और पूर्व की तरह अपने शासकीय कर्तव्यों का निर्वहन किया, ऐसे विरले ही होते है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के चार साल पूर्ण हो गए है। हमने इस अवधि में कई महत्वपूर्ण कार्य किए है। यदि हम प्रमुख उपलब्धियों की बात करें तो हमने सबसे पहले सभी वर्गों चाहे किसान, मजदूर या अन्य हो सभी की आय में बढ़ोत्तरी हो इसके लिए प्रयास किया हैं। हमारी योजनाओं से उनकी जेब में सीधा पैसा जा रहा है। हमारी दूसरी उपलब्धि के रूप में सबको अनाज मिले इसके लिए योजना बनाई। बीपीएल के साथ एपीएल श्रेणी के भी राशनकार्ड बनाये गए है। मुख्यमंत्री ने तीसरी उपलब्धि के बारे में बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के मुख्यमंत्री विशेष मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना बनाई, जिससे 20 लाख रूपए तक के इलाज की सुविधा है। साथ ही हाट बाजार क्लिनिक योजना शुरू किए, इससे आम लोगों को हाट बाजार में दवाई और चिकित्सकीय सुविधाएं निःशुल्क मिल रही हैं।

सरकार की चौथी उपलब्धि के रूप में मुख्यमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र में किए गए कार्यों को बताते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के साथ विशेष रूप से स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय शुरू किए जहां विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा मिल रही है। मुख्यमंत्री ने पांचवीं उपलब्धि के रूप में संस्कृति-परंपराओं के सशक्तिकरण के लिए गए कार्यों को बताते हुए कहा कि हमारी सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीज-त्यौहारों को अलग पहचान दी। वहीं आदिवासी क्षेत्रों में देवगुड़ी का पुनरूद्धार किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम मिलेट मिशन पर कार्य रहे है। रागी का समर्थन मूल्य केंद्र शासन ने तय किया, पर कोदो-कुटकी का समर्थन मूल्य हमने तय किया। हमारे द्वारा 3000 रूपए प्रति क्विंटल तय किया। साथ भी खरीदी की भी व्यवस्था की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांकेर में मिलेट का देश में सबसे बड़ा प्लांट लगाया है, जहां 22 प्रकार के उत्पाद बना रहे है। साथ ही लघु वनोपज की खरीदी कर रहे है। उनका वेल्यूएडिशन भी कर रहे है। जशपुर में काजू का प्रसंकरण प्लांट लगाया गया, जिससे काजू की अच्छी कीमत मिल रहा है। महिलाओं को अच्छी आय भी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मुलाकात के दौरान इसकी सराहना की। मैंने उन्हें तिखुर के बारे जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने चंदूलाल चंद्राकर की जयंती पर उन्हें किया याद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व लोकसभा सांसद, पूर्व केन्द्रीय मंत्री और पत्रकारिता के पुरोधा चन्दूलाल चन्द्राकर की 1 जनवरी को जयंती पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ के लिए श्री चंद्राकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में चन्दूलाल चंद्राकर का अमूल्य योगदान है। चंदूलाल ने सर्वदलीय मंच के अध्यक्ष के रूप में राज्य आंदोलन को नई दिशा दी। वे लोकसभा के लिए पांच बार निर्वाचित हुए और लगातार आम जनता की सेवा करते रहे। उन्होंने पर्यटन, नागरिक उड्डयन, कृषि, ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री का दायित्व संभालते हुए उल्लेखनीय काम किए।

श्री बघेल ने कहा कि चंदूलाल राजनीति से पहले सक्रिय पत्रकारिता से जुड़े और देश-विदेश में पत्रकार के रूप में खूब ख्याति अर्जित की। छत्तीसगढ़ से राष्ट्रीय समाचार पत्र के संपादक पद पर पहुंचने वाले वे प्रथम व्यक्ति थे। उन्होंने अपनी लेखनी से कई ज्वलंत मुद्दे उठाए। मूल्य आधारित पत्रकारिता को प्रोत्साहन मिले, इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने उनकी स्मृति में पत्रकारिता के क्षेत्र में चन्दूलाल चन्द्राकर फेलोशिप स्थापित किया है। निर्भीक और मूल्य आधारित पत्रकारिता से छत्तीसगढ़ का नाम देश में रोशन करने वाले चंदूलाल चंद्राकर नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को नव वर्ष की दी शुभकामनाएं

नया साल सभी लोगों के जीवन में सुख समृद्धि और खुशहाली लाएः सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि नया वर्ष सभी लोगों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली लाए। नए वर्ष में सभी जीवन और कर्तव्य पथ पर सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री बघेल ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा है कि नया वर्ष हमारे जीवन में नई उम्मीदें और सकारात्मक ऊर्जा साथ लेकर आता है। इसी ऊर्जा के साथ छत्तीसगढ़ सरकार ने बीते चार साल में गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ कई नई योजनाओं की शुरूआत की है। कई ऐसे नवाचार हुए है, जिनसे गांव से लेकर शहर तक हर हाथ को काम मिला है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सुराजी गांव योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना प्रारंभ की गई। गौठानों में मल्टीएक्टिविटी सेंटर और रूरल इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किए जा रहे हैं। स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की बिक्री के लिए सी-मार्ट प्रारंभ किए गए हैं। राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत पौनी-पसारी व्यवस्था से जुड़े लोगों को आर्थिक सहायता मिली। इनका छत्तीसगढ़ में सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। देश में सबसे कम बेरोजगारी दर के मामले में छत्तीसगढ़ शीर्ष पर है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार ने महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज्य की परिकल्पना के साथ समावेशी विकास के लक्ष्य के साथ काम करना शुरू किया। जहां गांवों की आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में नवाचार किए गए, वहीं राज्य की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और वनांचल क्षेत्रों में उपलब्ध विपुल वनोपज को देखते हुए नई उद्योग नीति में कृषि और वनोपज आधारित उद्योगों को प्राथमिकता श्रेणी में रखा गया है। उद्योगों की स्थापना से रोजगार और स्व-रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की पुरातन संस्कृति और परम्पराओं के संवर्धन के साथ नई पीढ़ी को भी उससे जोड़ने में सफल रही। श्री बघेल ने कहा कि बीते कुछ समय में छत्तीसगढ़ ने देश-दुनिया के सामने सफलता की नए सोपान तय किए हैं। फिर से सभी जोश और उत्साह के साथ नए साल की सुनहरी सुबह के अभिनंदन के लिए तैयार हों। सकारात्मकता, एकजुटता और सहयोग से आगे बढ़े, नया छत्तीसगढ़ गढ़ें।

नए साल से पांच हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट से 77 सौ मेगावाट बिजली उत्पादन की तैयारी

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ में नए साल से बिजली कंपनी पंप स्टोरेज तकनीक से बिजली उत्पादन करने की तैयारी कर रही है। बिजली कंपनी के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी और केंद्र सरकार की एजेंसी वाटर एंड पावर कंसल्टेंसी सर्विसेस (वैपकास लिमिटेड) ने इसके लिए कांट्रेक्ट पर पहले ही हस्ताक्षर किया है। वैपकास ने सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना सफल रही तो नए साल 2023 में पांच हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट से 7700 मेगावाट बिजली उत्पादन किया जा सकेगा। केंद्र सरकार के निर्देश पर भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को देखकर बिजली कंपनी के अधिकारियों ने यह निर्णय लिया है। इसके लिए केंद्र से भी फंड मिलेगा।

नोडल एजेंसी का जिम्मा बिजली कंपनी को

बिजली कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक पावर प्लांट के लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट व डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने का काम कंसल्टेंसी सर्विसेस वैपकास लिमिटेड कर रही है। पंप स्टोरेज जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना के लिए सर्वे, अनुसंधान, स्थल चयन, चिन्हांकन व विकास के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी को नोडल एजेंसी बनाया गया है।

एक पानी को कई बार किया जा सकेगा उपयोग

बिजली कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि इस तकनीक में ऊंचे और निचले स्थान पर पानी स्टोरेज टैंक बनाया जाता है। गुरुत्वाकर्षण स्थितिज ऊर्जा (कायनेटिक फोर्स) का उपयोग करते हुए पानी को निचले स्थान पर छोड़कर टरबाइन को घुमाया जाता है, जिससे बिजली पैदा होती है। पुरानी तकनीक वाले जल विद्युत संयंत्रों में पानी नदी में बहा दिया जाता था, लेकिन नई तकनीक में टरबाइन से पानी गिरने के बाद उसे स्टोर किया जाता है और दिन के समय सौर ऊर्जा से मिलने वाली सस्ती बिजली से पानी को फिर से ऊपर वाले स्टोरेज में डाल दिया जाता है। इस तरह एक ही पानी का उपयोग कई बार बिजली बनाने में किया जा सकता है।

''पांच हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट स्थापित कर 7700 मेगावाट बिजली उत्पादन करने की तैयारी चल रही है। नए साल 2023 में यह सौगात प्रदेश को मिल जाएगी। सोलर एनर्जी में कंपनी कंट्रीब्यूट कर पंप स्टोरेज तकनीक से बिजली का ज्यादा उत्पादन करने जा रही है। इसका सर्वे भारत सरकार की वैपकास लिमिटेड कंपनी कर रही है। उनकी रिपोर्ट आने के बाद संबंधित स्थानों को डेवलप करने का काम किया जाएगा।''

-संजय कटियार, एमडी-जनरेशन, छत्तीसगढ़ बिजली वितरण कंपनी

ठंड ने दिसंबर में किया मायूस, नये साल पर बदल सकता है मौसम का मिजाज

रायपुर (ए)। साल के आखिरी दिनों में प्रदेशभर में मौसम का मिजाज थोड़ा बदला है। आखिरी दिन और पारा गिरने से ठंड में बढोतरी होने की संभावना है। शुक्रवार सुबह से ही रायपुर सहित प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा।

रायपुर का न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। मौसम विज्ञानी एचपी चंद्रा का कहना है कि शनिवार को मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि नववर्ष के शुरुआत से ही ठंड में बढ़ोतरी शुरू होगी। इन दिनों प्रदेश में हवा की दिशा भी बदल जाएगी और पारे में और गिरावट आएगी।

शुक्रवार को जशपुर में न्यूनतम तापमान 7.0 डिग्री पहुंचा गया। वहीं अंबिकापुर में भी 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि साल के आखिरी दिन शनिवार को भी मौसम शुष्क रहेगा और न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी रहेगी। इससे ठंड में और बढ़ोतरी होगी।

10 वर्षों में सबसे कम ठंडा रहा दिसंबर

10 वर्षों में रायपुर में दिसंबर में सबसे कम ठंडा रहा। इस वर्ष दिसंबर के पहले सप्ताह के बाद से ठंड एकदम गायब सी हो गई। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। दिसंबर में रायपुर का पारा 9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता था। इस वर्ष सबसे कम पारा 13 डिग्री सेल्सियस तक ही पहुंचा। दिसंबर की तुलना में नवंबर ज्यादा ठंडा रहा।

गर्म कपड़ों का कारोबार गिरा

ठंड कम पड़ने की वजह से इस वर्ष गर्म कपड़ों का कारोबार पूरी तरह से गिर गया है। नवंबर से तुलना की जाए तो इस वर्ष दिसंबर में 60 प्रतिशत तक कारोबार गिरा है। कारोबारियों का कहना है कि अब जनवरी से ही उन्हें उम्मीद है। ठंड बढ़ी तो कारोबार की रफ्तार भी बढ़ेगी। इन दिनों मोतीबाग सहित विभिन्ना क्षेत्रों में लगे गर्म कपड़ों के स्टालों में सन्नााटा पसरा हुआ है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

28 अप्रैल को पर्दे पर आएगी पोन्नियन सेल्वन-2

निर्देशक मणिरत्नम की ब्लॉकबस्टर फिल्म पोन्नियन सेल्वन ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाए। इस फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब सराहा। यही वजह है कि इसके दूसरे भाग पोन्नियन सेल्वन 2 की रिलीज डेट आने का भी दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। निर्माताओं ने 28 दिसंबर 2022 को ऐलान कर दिया है कि दूसरा भाग 28 अप्रैल, 2023 को आएगा। आइए जानें फिल्म से जुड़ीं कुछ खास बातें।

महान उपन्यास पोन्नियन सेल्वन पर बनी है फिल्म

पोन्नियन सेल्वन तमिल भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है कावेरी नदी का बेटा। यह एक बेहद लोकप्रिय उपन्यास है, जिसे कल्कि कृष्णमूर्ति ने लिखा। यह लगभग 2,000 पन्नों का ऐतिहासिक उपन्यास है, जिसके कई संस्करण हैं और अंग्रेजी में अनुवाद प्रकाशित किए जा चुके हैं। यह पहली बार 1950 के दशक के दौरान तमिल पत्रिका कल्कि में प्रकाशित हुआ था। वास्तविक ऐतिहासिक घटनाओं और पात्रों से प्रेरित इस उपन्यास के खासतौर से साउथ में बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं।

यह मणिरत्नम का ड्रीम प्रोजेक्ट है। वह इस फिल्म पर बीते 28 सालों से काम कर रहे थे। मणिरत्नम ने एक इंटरव्यू में कहा था कि 1994 में उन्होंने इस ऐतिहासिक कहानी को पर्दे पर लाने का मन बनाया था, लेकिन उस वक्त 100 करोड़ रुपये के बजट में फिल्म बनाना बड़ी बात थी। 2010 में जब उन्होंने इसे बनाने की सोची तो लोकेशन के कारण यह अटक गई।

फिर आखिरकार 2019 में मणिरत्नम ने इसे बनाना शुरू किया।

1958 में दिवंगत अभिनेता और फिल्ममेकर एमजी रामचंद्रन ने घोषणा की थी कि वह पोन्नियन सेल्वन पर फिल्म बनाएंगे। रामचंद्रन ने उस वक्त 10,000 रुपये में इसके राइट्स भी खरीद लिए थे। वह इसका निर्माण और निर्देशन के साथ खुद ही इसमें अभिनय करने वाले थे, लेकिन इससे पहले कि फिल्म की शूटिंग शुरू होती रामचंद्रन का एक्सिडेंट हो गया और उन्हें ठीक होने में छह महीने लग गए। फिर रामचंद्रन इस फिल्म पर कभी दोबारा काम नहीं कर पाए।

भारतीय इतिहास में जब सबसे लंबे वक्त तक शासन करने वाले राजवंशों का जिक्र होता है तो उसमें चोल राजवंश का नाम सबसे ऊपर होता है। इस फिल्म में चोल साम्राज्य के दौर को दिखाया गया है, जिसने भारत में 1,500 सालों तक राज किया। मणिरत्नम ने जिस खूबसूरती से चोल साम्राज्य की खूबसूरती को पर्दे पर गढ़ा, वो जादूगरी नहीं कारीगरी है। यह कहानी भले ही 1,000 साल पहले की है, लेकिन फिल्म देख आप इससे जुड़ाव महसूस करेंगे।

फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें महिला चरित्रों का रूप लावण्य नजर आता है और ये महिला चरित्र आम फिल्मों की तरह नहीं हैं। खासकर ऐश्वर्या राय बच्चन यहां राजवंशों के बीच चलने वाली राजनीति का मोहरा हैं। फिल्म में उनकी सुंदरता और उनकी कुटिलता दोनों आकर्षक हैं। ना सिर्फ उनका रूप-रंग, बल्कि अदाकारी ने भी फिल्म में चार चांद लगाए। फन्ने खां के बाद इस फिल्म के जरिए ऐश्वर्या ने चार साल बाद पर्दे पर धमाकेदार वापसी की।

पोन्नियन सेल्वन ने पहले ही दिन बंपर कमाई कर ली थी। 500 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 495 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसमें ऐश्वर्या के अलावा कार्थी, विक्रम, जयराम रवि और प्रकाश राज ने अहम भूमिका निभाई है।

नहीं पड़ेगी कंसीलर लगाने की जरूरत घर पर ही बनाएं ये 4 अंडर आई क्रीम

जब हम स्किन केयर रूटीन की बात करते हैं, तो हम अक्सर आंखों के आस-पास के एरिया को भूल जाते हैं। अंडर-आई की सूजन या डार्क सर्कल्स पूरे चेहरे का लुक खराब कर देते हैं। मगर फिर भी हम चाह कर भी उस पर ध्यान नहीं दे पाते। शायद आप यह बात न जानती हों, मगर उम्र बढ़ने का पहला लक्षण हमारी आंखों के पास ही दिखाई देना शुरू होता है। अगर आप इसे नजरअंदाज करती हैं, तो बाद में इसकी देखभाल करना बेहद मुश्किल हो जाएगा। हमारे आंखों के आस-पास का एरिया काफी नाजुक होता है, इसलिए आपको एक अच्छी अंडर-आई क्रीम को अपने स्किन केयर रूटीन का एक हिस्सा बना लेना चाहिए। यदि आप महंगी क्रीम पर पैसे नहीं खर्च करना चाहती हैं, तो यहां जानें इसे घर पर आसानी से बनाने का तरीका...

कुकुंबर और मिंट अंडर-आई क्रीम

खीरे और पुदीने का मिश्रण हमारे काले घेरे और अंडर-आई बैग पर अद्भुत काम करता है। खीरे में विटामिन च पाया जाता है, जो हमारी आंखों के आसपास के काले घेरे को कम करने में मदद करते है। वहीं, पुदीना अपने एंटीऑक्सीडेंट गुणों से स्किन को नमी पहुंचाता है। आपको बस इन दो चीजों को अच्छी तरह से मिलाना है और मिर इसमें 3 बड़े चम्मच दूध, 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल और 3 बूंद बादाम के तेल की मिलाएं। एक पेस्ट तैयार करें और इसे अपनी आंखों के नीचे लगाएं। इसे 10 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर इसे धो लें

एवोकाडो और बादाम अंडर आई क्रीम

बादाम का तेल और एवोकैडो दोनों ही त्वचा के लिए

बहुत अच्छे माने जाते हैं। एवोकैडो न केवल एक अच्छा मॉइस्चराइजर बल्कि यह स्किन से फानइ लाइन्स को भी मिटाने का काम करता है। बादाम का तेल त्वचा की कोशिकाओं को नवीनीकृत करता है और आंखों के नीचे की आसपास की सूजन को कम करता है। पेस्ट तैयार करने के लिए, बादाम के तेल की 5 बूंदों को एवोकैडो के तीन स्लाइस के साथ मिक्स करें। फिर इसे प्रभावित जगह पर लगाएं और 5 मिनट के बाद इसे धो लें।

शिया बटर और कैमोमाइल अंडर-आई क्रीम

यदि आपके आंखों के आस पास की स्किन काफी ड्राय है, तो उसे मॉइस्चराइजेशन की आवश्यकता है, तो शिया बटर आपके काम आ सकता है। शिया बटर और कैमोमाइल तेल को साथ में मिलाएं और एक कंटेनर में भर लें। फिर इसे रेगुलर आई क्रीम के रूप में रोज लगाएं।

एलोवेरा जेल और विटामिन-ई अंडर-आई क्रीम

एलोवेरा जेल और विटामिन ई न केवल त्वचा पर सूजन और रैश को कम कर सकते हैं, बल्कि त्वचा को हाइड्रेट करने में भी मदद करते हैं। इस पैक को तैयार करने के लिए, एक कटोरी में एक चम्मच एलोवेरा जेल और विटामिन-ई कैप्सूल मिलाएं। फिर इसमें गुलाब जल के साथ नारियल तेल की कुछ बूंदें मिलाएं। अब इस क्रीम को अंडर-आई एरिया पर लगाएं। आप इसे उपयोग करने के बाद रेफ्रिजरेटर में स्टोर कर सकती हैं और जब चाहें इसे लगा सकती हैं।

ऐसे डालें बच्चों में हैंडवाश की आदत

बच्चों के नन्हेंनन्हें हाथ जहां प्यारे-प्यारे से लगते हैं, वहीं वे जर्म से भी भरे होते हैं, क्योंकि वे अकसर मिट्टी में खेलते हैं. उन का दिमाग हर समय शरारतों में लगा रहता है. ऐसे में उन्हें मस्ती की इस उम्र में शरारतें करने से तो नहीं रोक सकते लेकिन उन्हें हैंडवाश का महत्त्व जरूर बता सकते हैं. अकसर संक्रामक रोग का कारण गंदगी व हाथ नहीं धोना ही होता है और इस कारण कई बच्चे बीमार व मृत्यु के शिकार हो जाते हैं. ऐसे में हैंडवाश की हैबिट इस अनुपात को आधा करने में सहायक हो सकती है.

हाथों में सब से ज्यादा जर्म

हाथों में 2 तरह के रोगाणु होते हैं, जिन्हें सूक्ष्मजीव भी कहा जाता है. एक रैजिडैंट और दूसरे ट्रैंजेंट सूक्ष्मजीव. जो रैजिडैंट सूक्ष्मजीव होते है, वे स्वस्थ लोगों में बीमारियों का कारण नहीं बनते हैं, क्योंकि वे हमेशा हाथों में रहते हैं और हैंडवाश से भी नहीं हटते, जबकि ट्रैंजेंट सूक्ष्मजीव आतेजाते रहते हैं. ये खांसने, छींकने, दूषित भोजन को छूने से हाथों पर स्थानांतरित हो जाते हैं. फिर जब एक बार कीटाणु हाथों को दूषित कर देते हैं तो संक्रमण का कारण बनते हैं. इसलिए हाथों को साबुन से धोना बहुत जरूरी है. न्यूजीलैंड में हुई एक रिसर्च के अनुसार, टौयलेट के बाद 92 प्रतिशत महिलाएं व 81 प्रतिशत पुरुष ही साबुन का इस्तेमाल करते हैं, जबकि यूएस की रिसर्च के अनुसार सिर्फ 63 प्रतिशत लोग ही टौयलेट के बाद हाथ धोते हैं. उन में भी सिर्फ 2 प्रतिशत ही साबुन का इस्तेमाल करते हैं. ऐसे में जरूरी है कि आप पानी व साबुन से हैंडवाश की आदत डालें ताकि आप के बच्चे भी आप को देख कर यह सीखें.

क्या हैं ट्रिक्स, जो बच्चों में हैंडवाश की आदत डालेंगे

फन विद लर्नः- आप अपने बच्चों को सिखाएं कि जब भी बाहर से आएं, टौयलेट यूज करें. जब भी किसी ऐनिमल को टच करें, छींकें, खांसें तब हैंडवाश जरूर करें वरना कीटाणु बीमार कर देंगे. आप भी उन के इस रूटीन में भागीदार बनें. उन से कहें कि जो जल्दी हैंडवाश करेगा वही विनर बनेगा. अब देखते हैं तुम या मैं, यह फन विद लर्न गेम उन में हैंडवाश की हैबिट को डैवलप करने का काम करेगा.

स्मार्ट स्टूल्सः- कई घरों में हैंडवाश करने की जगह बहुत ऊंची होती है, जिस कारण बच्चे बारबार उस जगह जाना पसंद नहीं करते. ऐसे में आप उन के लिए स्मार्ट सा स्टूल रखें, जिस पर चढ़ना उन्हें अच्छा लगे और वे उस पर चढ़ कर हैंडवाश करें. साथ ही टैप्स में स्मार्ट किड्स फौसिट ऐक्सटैंड, जो बर्ड्स की शेप के आते हैं लगाएं. ये सब चीजें बच्चों को अट्रैक्ट करने के साथसाथ उन में हैंडवौश की आदत डालने का काम करती हैं.

जर्म फ्री हैंड्सः- 'जर्म मेक मी सिक' क्या तुम चाहते हो कि तुम्हें जर्म बीमार कर दें और तुम उस कारण न तो स्कूल जा पाओ और न ही दोस्तों के साथ खेल पाओ? नहीं न, तो फिर जब भी हैंडवाश करो तो सिर्फ पानी से ही नहीं, बल्कि साबुन से रगड़रगड़ कर अपनी उंगलियों, हथेलियों व अंगूठों को अच्छी तरह साफ करो. इस से तुम्हें जर्म फ्री हैंड्स मिलेंगे.

टीच बाई ग्लिटर मैथडः- अगर आप के बच्चे अच्छी तरह हैंडवाश नहीं करते हैं तो आप उन्हें ग्लिटर के माध्यम से जर्म के बारे में समझाएं. इस के लिए आप उन के हाथों पर ग्लिटर डालें, फिर थोड़े से पानी से हैंडवाश कर के टौवेल से पोंछने को कहें. इस के बाद भी उन के हाथों में ग्लिटर रह जाएगा, तब आप उन्हें समझाएं कि अगर आप अच्छी तरह हैंडवाश नहीं करेंगे तो जर्म आप के हाथों में रह कर के आप को बीमार कर देंगे.

महिलाओं के चेहरे पर बाल आना, जानें इसका कारण और बचने के उपाय

महिलाओं के चेहरे और शरीर के दूसरे अंगों पर अत्यधिक बालों के उगने की इस समस्या को मेडिकल टर्म में हिर्सुटिज्म कहते हैं. प्रजनन के उम्र वाली दुनियाभर की करीब 5 से 10 प्रतिशत महिलाओं में हिर्सुटिज्म की समस्या देखने को मिलती है. आमतौर पर महिलाओं के शरीर में उगने वाले बालों की बनावट बेहद बारीक होती है और उनका रंग भी हल्का रहता है. हालांकि वैसी महिलाएं जो हिर्सुटिज्म की समस्या से ग्रसित हों उनके शरीर में मौजूद बाल बेहद घने, मोटे और गहरे रंग के होते हैं. ये बाल महिलाओं की ठुड्डी पर, साइडबर्न्स यानी कलम की जगह पर, छाती पर, पेट पर, पीठ पर, जांघ के अंदरूनी हिस्सों में हो सकते हैं.

चेहरे पर ज्यादा बाल आने का कारण

वैसे तो महिलाओं में जींस की वजह से चेहरे और शरीर पर ज्यादा बाल उगने लगते हैं, लेकिन कई बार इसके पीछे कोई बीमारी भी जिम्मेदार हो सकती है:

पीसीओएसः- महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होने के ज्यादातर मामलों में पीसीओएस या पीसीओडी बीमारी मुख्य कारण होती है. इस बीमारी में शरीर में सेक्स हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ने लगता है जिससे चेहरे पर अनचाहे और अतिरिक्त बाल उगने लगते हैं.

एन्जाइम की कमीः- महिलाओं के शरीर में एन्जाइम की कमी की वजह मेल हार्मोन टेस्टोस्टेरॉन की शरीर में अधिकता होने लगती है जिस कारण चेहरे और शरीर पर हद से ज्यादा बाल उगने की समस्या होने लगती है.

हाइपरट्राइकोसिसः- इसे वेयरवोल्फ सिंड्रोम भी कहते हैं और यह कई बीमारियों की वजह से भी हो सकता है, जैसे- हाइपोथायराइडिज्म, ऐक्रोमेगाली (शरीर में ग्रोथ हार्मोन की अधिकता), कुपोषण और एचआईवी. हाइपरट्रिकोसिस की वजह से नाक के टिप और कान के पास ज्यादा बाल उगने लगते हैं.

कशिंग्स सिंड्रोमः- यह एक चिकित्सीय स्थिति है जिसमें ऐड्रिनल ग्लैंड में गड़बड़ी की वजह से शरीर में कोर्टिसोल जिसे स्ट्रेस हार्मोन भी कहते हैं ज्यादा बनने लगता है. कशिंग्स सिंड्रोम से पीड़ित महिला में हद से ज्यादा बालों के विकास के अलावा बहुत ज्यादा वजन बढ़ना, हाई बीपी और चिड़चिड़ापन भी देखने को मिलता है.

दवाइयांः- कई बार कुछ दवाइयों की वजह से भी महिलाओं के शरीर में अनचाहे बालों का विकास होने लगता है. हार्मोनल थेरेपी और एन्डोमेट्रिओसिस के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाइयां और मल्टीपल इन्फ्लेमेशन के इलाज में इस्तेमाल होने वाले ग्लूकोकोर्टिकोयड्स की वजह से भी महिलाओं के शरीर में बालों का असामान्य विकास होने लगता है.

चेहरे के अनचाहे बाल हटाने के टिप्स

जो महिलाएं चेहरे पर मौजूद अनचाहे बालों से छुटकारा पाना चाहती हैं वे हेयर रिमूवल का इनमें से कोई भी तरीका इस्तेमाल कर सकती हैं:

प्लकिंगः- प्लकर की मदद से आइब्रो, अपर लिप और ठुड्डी के पास के अतिरिक्त बालों को हटाया जा सकता है, लेकिन अगर चेहरे पर बालों की ग्रोथ ज्यादा हो तो उसमें यह तरीका कारगर साबित नहीं होगा.

शेविंगः- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए आप रेजर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं. शेविंग हो जाने के बाद उस हिस्से को पानी से साफ कर मॉइश्चराइजर लगा लें.

क्रीमः- डेपिलेटरी क्रीम इस्तेमाल कर अनचाहे बाल हटाने का तरीका दर्द रहित है. क्रीम को बाल हटाने वाली जगह पर लगाएं, स्पैट्यूला से फैलाएं, 5-10 मिनट के लिए लगा रहने दें और फिर स्पैट्यूला की मदद से क्रीम के साथ-साथ बालों को भी हटा दें.

वैक्सिंगः- आप चाहें तो घर पर ही वैक्सिंग की मदद से भी चेहरे के अनचाहे बाल हटा सकती हैं. इसके लिए गर्म वैक्स की जगह वैक्सिंग स्ट्रिप का इस्तेमाल कर सकती हैं.

थ्रेडिंगः- एक खास तरह के कॉटन धागे की मदद से अनचाहे बालों को एक-एक कर प्लकिंग के जरिए हटाया जाता है. आप चाहें तो पार्लर या सलॉन में जाकर थ्रेडिंग के जरिए अनचाहे बालों को हटवा सकती हैं.

एपिलेटर्सः- यह जड़ों से अनचाहे बालों को खींचकर निकालता है. इसे इस्तेमाल करने के दौरान काफी दर्द होता है.

लेजर ट्रीटमेंटः- इस दौरान डॉक्टर लेजर लाइट की मदद से हेयर फॉलिकल्स को डैमेज करते हैं. ऐसा करने से बालों की ग्रोथ कम हो जाती है.

इलेक्ट्रोलाइसिसः- इसमें डॉक्टर हेयर फॉलिकल्स के बीच से बिजली के करेंट को दौड़ाते हैं जिससे बालों को नुकसान पहुंचता है और वे दोबारा उग नहीं पाते.

ब्लीचिंगः- ब्लीचिंग करवाने से चेहरे पर मौजूद अतिरिक्त बाल हटते नहीं हैं लेकिन उनका रंग हल्का हो जाता है जिससे वे कम नजर आते हैं. किसी भी तरह की ब्लीच को सीधे चेहरे पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें.

अनचाहे बाल हटाते वक्त बरतें सावधानी

शेविंग करते वक्त ध्यान रखें कि आपका रेजर नया हो. जंग वाले रेजर का इस्तेमाल करने से स्किन इंफेक्शन हो सकता है. हॉट वैक्स इस्तेमाल करते वक्त ध्यान रखें कि स्किन उसे सह पाए. ज्यादा गर्म वैक्स इस्तेमाल करने से स्किन जल सकती है. बालों के उगने की विपरित दिशा में शेविंग न करें वरना इससे स्किन के अंदर उगने वाले इन्ग्रोन हेयर की समस्या हो सकती है. शेविंग करने से स्किन ड्राई होने लगती है लिहाजा शेविंग के तुरंत बाद स्किन पर मॉइश्चराइजर लगाएं.

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

कलेक्टर के निर्देश पर दिव्यांग को तत्काल मिला अंत्योदय राशन कार्ड

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर कार्यालय में ग्राम सुवाताल, ग्राम पंचायत हिर्री, सारंगढ़ के निवासी नरसिंह कुमार रात्रे अंत्योदय कार्ड बनाने हेतु जिला कार्यालय आए थे। नरसिंह पैर से दिव्यांग हैं, उन्होंने अपनी नि:शक्तता बताते हुए कलेक्टर के समक्ष आवेदन किया। कलेक्टर डॉ.फरिहा सिद्दकी ने खाद्य विभाग के अधिकारी को प्राथमिकता से अंत्योदय राशन कार्ड जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ.सिद्दकी के निर्देश पर खाद्य विभाग द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए उन्हें अंत्योदय राशन कार्ड प्रदान किया गया। नरसिंह कुमार ने राशन कार्ड बनने पर खुशी जाहिर करते हुए कलेक्टर को धन्यवाद ज्ञापित किया। गौरतलब है कि दिव्यांगजन अपनी समस्याओं को लेकर जिला कार्यालय आते रहते हैं, चाहे वह वृद्धावस्था पेंशन का मामला हो, राशन कार्ड संबंधी समस्या हो या फिर ट्राइसाईकिल की माँग हो, इन सब मामलों में कलेक्टर डॉ.सिद्दकी द्वारा मानवीय पहलू को ध्यान में रखते हुए उनकी समस्याओं को हमेशा से पहली प्राथमिकता में लेकर उस पर त्वरित कार्यवाही की जा रही है।

मकर संक्रांति पर्व, गुड़ के व्यंजन होंगे खास

कोरबा। परंपरा और संस्कृति के साथ एकता के महत्व को परिभाषित करने वाला मकर संक्रांति पर्व 14 जनवरी 2023 को मनाया जाएगा। तिल और गुड़ के व्यंजन इस मौके पर खास होंगे। कारोबारी सूत्रों ने बताया कि हर वर्ष लाखों का सामान इस पर्व के दौरान हाथों हाथ बिकता है। इस बार भी काफी बड़ा आर्डर कोरबा से गया है। कोरबा जिले में तिलहन की फसल ना के बराबर है इसलिए आसपास के जिले और दूसरे राज्य पर इस मामले में निर्भरता बनी हुई है। उत्तर प्रदेश और बिहार के साथ.साथ अंबिकापुर बलरामपुर जिले में तैयार होने वाली तिलकुट की कई वैरायटी के साथ गजक से लेकर दूसरे उत्पाद कोरबा में छाए रहते हैं। यह सब मिलकर मकर संक्रांति को विशिष्टता प्रदान करते हैं। अनेक कार्यक्रमों में होने वाली लोगों की उपस्थिति के बीच यह व्यंजन ना केवल मिठास फैलाते हैं बल्कि एक खास संदेश देने का प्रयास भी करते हैं। मिष्ठान कारोबारियों के मुताबिक स्थानीय स्तर पर तिल और गुड़ के व्यंजन प्रत्यक्ष रूप से तैयार नहीं होते इसलिए इस मामले में वर्षों बाद भी आसपास के इलाके पर हम निर्भर हैं और वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का काम करते हैं। इस अवसर पर काफी ऊंचाई तक जाने वाली पतंग का आकर्षण भी पर्व को अलग पहचान देता है। कोरबा जिले के कई सामाजिक संगठन बीते कुछ वर्षों से इस प्रकार के आयोजन अलग-अलग स्थान पर करते आ रहे हैं। इसके माध्यम से स्थानीय प्रतिभाओं को अपना कौशल दिखाने का अच्छा मौका मिल रहा है।

भारतीय सेना ने दो मंजिला 3-डी प्रिंटेड आवासीय इकाई का उद्घाटन किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। भारतीय सेना ने अहमदाबाद कैंट में सैनिकों के लिए 28 दिसंबर 2022 को अपनी पहली 3-डी प्रिंटेड आवासीय इकाई (ग्राउंड प्लस वन कॉन्फ़िगरेशन के साथ) का उद्घाटन किया। इस आवास इकाई का निर्माण मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज (एमईएस) द्वारा एमआईसीओबी प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से नवीनतम 3-डी की तेजी से निर्माण करने वाली प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करते हुए किया गया है।

इसमें गैराज के लिए स्थान के साथ 71 वर्गमीटर की आवासीय इकाई का निर्माण कार्य 3डी प्रिंटेड नींव, दीवारों और स्लैब का उपयोग करके केवल 12 सप्ताह में पूरा किया गया। आपदा-प्रतिरोधी संरचनाएं जोन-3 भूकंप विनिर्देशों एवं हरित भवन मानदंडों का पूर्ण अनुपालन करती हैं। 3-डी प्रिंटेड घर सशस्त्र बलों के कर्मियों की बढ़ती आवास आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हैं और ये आधुनिक समय के तेजी से निर्माण प्रयासों के प्रतीक हैं। यह ढांचा 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को बढ़ावा देने में भारतीय सेना की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

इस तकनीक में एक ठोस 3डी प्रिंटर का उपयोग किया जाता है, जो कम्प्यूटरीकृत त्रि-आयामी डिज़ाइन पर कार्य करता है और खास तौर पर इस उद्देश्य के लिए डिज़ाइन किए गए विशेष प्रकार के कंक्रीट को बाहर निकालकर परत-दर-परत तरीके से 3-डी संरचना तैयार करता है।

भारतीय सेना के अहमदाबाद स्थित गोल्डन कटार डिवीजन ने संचालन में भी कई गुना अनुप्रयोगों के साथ परियोजना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारतीय सेना की इकाइयों ने पहले से ही प्री-कास्ट स्थायी सुरक्षा तथा संचालन के लिए ऊपरी सुरक्षा उपायों के निर्माण में 3डी प्रिंटिंग तकनीक का इस्तेमाल किया है। इन संरचनाओं को वर्तमान में एक वर्ष की अवधि में मान्य किया जा रहा है और हाल ही में केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के सभी इलाकों में इस्तेमाल किया गया है।

भारतीय सेना को बधाई पर सावधानी भी जरूरी - रघु ठाकुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक रघु ठाकुर ने कहा कि तवांग में भारतीय सेना ने जिस मुस्तैदी के साथ चीनी घुस्पेठी के साथ चीनी सैनिकों को बाहर निकाला वह सराहनीय है। भारतीय सेना ने सिद्ध कर दिया है कि भारतीय सेना राष्ट्रीय सीमा सुरक्षा में पूर्ण रूप से समर्थ है।

हालांकि यह चिंताजनक है कि भारत व चीन के बीच हथियारों के प्रयोग नही करने का समझौता किया गया है। याने चीन घुसपैठियों का मुकाबला भारतीय सेना के जवानों को केवल बाहुबल से करना है।

रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह कहते रहते है कि पहले गोली हम नही चलांयेंगे परंतु घुसपैठ और सीमा पर कब्जा बढ़ाने वाले ऐसे चीनी प्रयासों को सख्त उत्तर की आवश्यकता है। तथा सेना को घुसपैठियों को मार गिराने की अनुमति होना चाहिए।

चीनी द्वारा डोकलाम में कब्जे के प्रयास के बाद भारत के राजनेता और व्यापारी भाई कहते रहे कि चीनी माल का बहिष्कार करना चाहिए। याने चीन को आर्थिक रूप से कमजोर करना चाहिए। भारत सरकार भी हमेशा दावा करती रही है कि चीनी माल का आयात कम हुआ है। परंतु इस संबंध में सरकारी आकड़े इससे भिन्न कहानी कहते है। हालही में यह समाचार आये है कि चीन से भारत का आयात बहुत बड़ा है। साढ़े 9 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। इन समाचारों का खंडन भी भारत सरकार की ओर से नही हुआ है। पार्टी द्वारा इस पर गंभीर चिंता करती है और भारत सरकार से मांग करती है कि चीन से आयात और निर्यात पर श्वेत पत्र जारी करें।

छत्तीसगढ़ की विधानसभा ने सर्वसम्मति से आरक्षण विधेयक पारित किया है। ऐसे अवसर कम ही आते है जब सत्ता पक्ष और विपक्ष मिलकर एक निर्णय करे । जनतंत्र में जनतंत्र की सबसे बड़ी संस्था विधानसभा, लोकसभा होती है। और सरकार के राज्यपाल या राष्ट्रपति विधायकों के निर्णय क्रियान्वित कराने को स हमती मात्र देते है। यह विचित्र बात है कि छग की राज्यपाल नेअभी तक आरक्षण विधेयक पर हस्ताक्षर नही किया है। जबकि उनका हस्ताक्षर करने का लोकतांत्रिक व संवैधानिक दायित्व था। इस विधेयक के लागू नहीं होने से बहुत से आदिवासी और अनुसूचित जाति के नवजवानों को लाभ नही मिल पा रहा है।

साइबर क्राइम हेल्पलाईन नंबर 1930 से मिल रही है सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। साइबर क्राइम हेल्पलाईन नंबर 1930 के माध्यम से पीड़ितों को दी जाने वाली सहायता को और बेहतर बनाने की दृष्टि से पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा के मार्गदर्शन पर इस व्यवस्था को 19 दिसंबर 2022 से डायल 112 कंट्रोल रूम में शिफ्ट किया गया है। इस व्यवस्था का बेहतर परिणाम सामने आ रहा है। दिनांक 19 दिसंबर से 28 दिसंबर 2022 तक 10 दिनों में 1930 हेल्पलाईन टीम द्वारा लगभग 4 लाख रूपए बचाये गये है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (तकनीकी सेवा) श्री कवि गुप्ता ने बताया कि विगत डेढ़ वर्षों में इस व्यवस्था के माध्यम से 4 करोड़ से ज्यादा राशि होल्ड करवाया जा चुका है।

कैसे काम करती है सिटीजन फाइनैंशल फ्रॉड रिर्पोटिंग सिस्टम

पुलिस हेतु साइबर क्राइम पोर्टल पर 'सिटीजन फाइनेंसियल फ्रॉड रिर्पोटिंग सिस्टम' नामक प्लेटफार्म उपलब्ध है जिसमें पुलिस के साथ-साथ सभी बैंक मर्चेंट एवं वॉलेट कंपनियों के नोडल अधिकारी भी जुड़े रहते हैं। जैसे ही कोई साइबर फाइनेंसियल फ्रॉड की शिकायत पोर्टल पर दर्ज की जाती है, इसकी सूचना सबसे पहले उस बैंक के नोडल अधिकारी के पास पहुंचती है जिस बैंक का खाता धारक प्रार्थी है।

नोडल अधिकारी पोर्टल के माध्यम से जिस बैंक के खाताधारक को राशि क्रेडिट हुई है उसे सूचित करता है। यदि सूचित किए गए दूसरे बैंक के आरोपी खाताधारक के खाते में धनराशि उपलब्ध है तो वह होल्ड हो जाती है, और यदि दूसरे बैंक से भी धनराशि किसी तीसरे बैंक को ट्रांसफर हो गई है तो इस संबंध में दूसरे बैंक के नोडल अधिकारी द्वारा तीसरे बैंक के नोडल अधिकारी को सूचित कर दिया जाता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक ऐसा खाताधारक नहीं प्राप्त हो जाता है जिसके खाते में धनराशि विद्यमान हो। यदि आरोपी द्वारा एटीएम से पैसे का आहरण कर लिया जाता है, तो पैसा होल्ड नहीं हो पाता है और इस संबंध में बैंक द्वारा पुलिस को सूचित कर दिया जाता है।

अत: यह आवश्यक है कि साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति द्वारा जल्द से जल्द शिकायत दर्ज करवाई जाए। साइबर फाइनेंसियल फ्रॉड का शिकार व्यक्ति स्वयं, साइबर क्राईम हेल्पलाईन नंबर 1930 या नजदीकी थाना के माध्यम से साइबर क्राईम पोर्टल में ''सिटिजन फाइनेंसियल फ्रॉड रिपोर्टिंग सिस्टम'' के तहत शिकायत दर्ज कर सकता है।

बढ़ते हुए साइबर अपराध संबंधित शिकायतों को देखते हुए साइबर क्राईम हेल्पलाईन नंबर की सेवा 24ग7 प्रदान की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवा) प्रदीप गुप्ता ने आज 1930 टीम को उनके मेहनत एवं लगन हेतु प्रशंसा पत्र प्रदान करते हुए कहा कि भविष्य में इस नई प्रणाली का और विस्तार किया जायेगा ताकि साइबर अपराध से पीड़ित लोगो की त्वरित एवं प्रभावी सहायता प्रदान की जा सके। प्रदीप गुप्ता ने साइबर फायनेंसियल क्राईम के मामलों में लोगों से तुरंत शिकायत दर्ज करने हेतु अपील किया है ताकि समय रहते पीड़ित को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सकें।

कांग्रेस भवन में पं. रविशंकर शुक्ल की पुण्यतिथि पर अर्पित किए गए श्रद्धा सुमन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिला कांग्रेस भवन रायगढ़ में अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय पंडित रविशंकर शुक्ल की पुण्यतिथि मनाई गई उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शुक्ला ने पंडित रविशंकर शुक्ल जी के स्मृति चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तत्पश्चात उपस्थित कांग्रेस जनों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया । पंडित रविशंकर जी के जीवन पर प्रकाश डालते हर अनिल शुक्ला ने बताया कि पंडित रविशंकर शुक्ल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रसिद्ध नेता और एक स्वतंत्रता सेनानी थे। वे 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आए नए राज्य मध्य प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री नियुक्त हुए थे। पंडित रविशंकर शुक्ल को नए 'मध्य प्रदेश के पुरोधा' के रूप में याद किया जाता है। उन्होने राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी स्वदेशी खादी, राष्ट्रीय शिक्षा को बढ़ावा दिया था और असहयोग सविनय अवज्ञा तथा भारत छोड़ो आंदोलन में शीर्षशत्तर भूमिकाएं निभाई। हम उनके कार्यो को कभी नहीं भुला पाएंगे।

आज इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनिल शुक्ला अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी, दीपक पांडेय पूर्व अध्यक्ष शहर कांग्रेस, शाखा यादव महामन्त्री शहर कांग्रेस, रानी चौहान अध्यक्ष महिला कांग्रेस, नगर कांग्रेस अध्यक्ष द्वय विकास ठेठवार व मदन महन्त , विकास शर्मा,उपेंद्र सिंह, नारायण घोरे, शेख ताजीम,संतोष कुमार चौहान,संजय चौहान,सैय्यद इम्तियाज,शकील अहमद,गौरांग अधिकारी, रिंकी पांडेय, पद्मा चौहान, श्यामा, विमला यादव, वीनू बेगम, केवरा बाई यादव सहित अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने छिनारी में लगाया चौपाल समस्याओं के निराकरण का दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शासन की हितग्राही मूलक और विकास मूलक योजनाओं का जायजा लेने आज नारायणपुर जिले की ग्राम पंचायत छिनारी में जन चौपाल लगाई। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान कलेक्टर ने उनकी मांग एवं उनकी समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये। इस दौरान ग्रामीणों ने शिक्षक, विद्यालय भवन, स्वास्थ्य सुविधा, सड़क, आंगनबाड़ी, पेयजल से संबंधित समस्यायें रखी। जिसके लिए कलेक्टर ने मौके पर निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कुमारी गंगादई शोरी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी देवेश कुमार ध्रुव, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक पुस्कर शर्मा, एसडीएम जितेन्द्र कुमार कुर्रे, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी घनश्याम जांगड़े, सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

ग्रामीणों के आग्रह पर गांव में पेड़ की छाया में लगी जन चौपाल में कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीणजन शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही शिक्षा, स्वास्थ्य, मध्यान्ह भोजन, पेंशन योजना आदि अन्य योजनाओं का लाभ उठायें। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि ऐसे युवा जो बांरहवी पास हैं और आर्मी तथा पुलिस में भर्ती होना चाहते हैं उनके लिए नारायणपुर में तीन माह का प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है, युवा इसका लाभ उठा सकते है। इसके अलावा बैक और रेलवे सहित अन्य परीक्षाओ में भर्ती के लिए प्रतियोगियों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। उन्होने ग्रामीणों से कहा कि ग्रामीणजन गर्भधात्री माताओं का संस्थागत प्रसव कराना सुनिश्चित करें। इससे जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ और सुरक्षित रहेंगे। चौपाल में कलेक्टर ने आगे कहा कि सरपंच एव सचिव समय समय पर स्कुल, आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण कर मानिटरिंग करें। बातचीत के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि उचित मुल्य की दुकान से उन्हे राशन समय पर मिल जाता है। गांव में दो आंगनबाड़ी केन्द्र और एक मिनी आंगनबाड़ी केन्द्र है। उन्होने जर्जर हो चुके आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए नये भवन की मांग की जिसे कलेक्टर ने तत्काल अधिकारियों को स्वीकृति प्रक्रिया पुरा करने के निर्देश दिये। इस दौरान ग्रामीणों ने उपस्वास्थ्य केन्द्र, बाजार मे शेड निर्माण, झरलपारा में बोर की व्यवस्था, नाले पर चेक डेम निर्माण, अतिथि शिक्षकों का मानदेय समय पर भुगतान करने, धान विक्रय करने हेतु नये उर्पाजन केन्द्र, छोटे फरसगांव में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत् सड़क निर्माण की मांग की। इस संबंध में कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। ग्रामीणों ने यही भी बताया कि तेंदुपत्ता के भुगतान में दिक्कत आती है, इस कलेक्टर ने कहा कि लीड बैंक अधिकारी सभी हितग्राहियों के बैंक एकाउंट का आधार लिंक हेतु शिविर लगा कर कार्यवाही पूरा कराएं। इसके अलावा इस क्षेत्र में बैंक सखी को प्रशिक्षित कर हितग्राहियों की भुगतान की सुविधा सुनिश्चित करें।

राज्य सरकार की अभिनव पहल

बैगलेस डे से बच्चों में छुपी प्रतिभा निखर कर सामने आ रही है

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ सरकार की अभिनव योजना बैगलेस डे (बस्ता रहित दिवस) शनिवार को रहता है।शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक शनिवार को विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु बैकलेस डे में अलग-अलग क्रियाकलाप किया जाता है। बैकलेस डे की इसी कड़ी में गरियाबंद जिला छूरा ब्लॉक के संकुल केंद्र अतरमरा मे सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला अतरमरा, दिवना, रजनकट्टा, कुरुद, खट्टी, कुम्हरमरा मे बस्ता रहित दिवस पर गतिविधि किया जाता है। बैकलेस डे शासन की महत्वकांक्षी योजना है। इस योजना के क्रियान्वयन में जिला शिक्षा अधिकारी डीएस चौहान,जिला मिशन समन्वयक श्याम चंद्राकर के कुशल मार्गदर्शन में अतरमरा संकुल प्रभारी प्राचार्य बी देवांगन तथा संकुल समन्वयक विनोद सिन्हा के कुशल नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के खेलकूद,शैक्षणिक,बौद्धिक गतिविधियां हो रही है। बस्ता रहित दिवस में प्रत्येक शनिवार को समय सारणी के अनुसार अलग-अलग गतिविधियां जैसे खेलकूद प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, वाद-विवाद, रंगोली, चित्रकारी,नाटक, कहानी, व्यायाम प्रदर्शनी, स्वच्छता संबंधित क्रियाकलाप,नृत्य, एफएलएन पर गतिविधि एवं विभिन्न प्रकार के गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। संकुल मे पदस्थ सभी ऊर्जावान शिक्षकों के द्वारा के द्वारा प्रत्येक शनिवार को व्यायाम प्रदर्शन के साथ आकर्षक झांकी और म्यूजिक के साथ योगा नृत्य करते हैं। जिससे प्रेरित होकर बच्चे भी म्यूजिक के साथ योगा डांस करते हैं। शासन के इस अभिनव योजना का असर यहां के बच्चों में साफ साफ दिखाई देता है। बच्चे खेल कूद व अन्य गतिविधियों में हमेशा आगे रहते हैं। बस्ता रहित दिवस के आकर्षक गतिविधियों के कारण अन्य शैक्षणिक दिवस के अपेक्षा शनिवार को बच्चों की उपस्थिति शाला में शत प्रतिशत रहता है। सभी इस मस्ती की पाठशाला मे खूब झूमते हैं। बस्ता रहित दिवस को सफल बनाने में शाला प्रबंधन समिति के सदस्य,पालक गन, जनप्रतिनिधियों का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। शनिवार को समुदाय की सक्रिय सहभागिता विद्यालय में देखने को मिलता है। तथा पालकों के द्वारा आवश्यक सुझाव भी प्राप्त होता है। एक दिन पूर्व होता है।

खास खबर

घर के सामने खड़ी कार में पथराव के बढ़ा विवाद, 13 गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। पुलिस ने घर के सामने खड़ी कार में पथराव और फिर विवाद और मारपीट में शामिल दोनो पक्षों के 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान सुमित, अमन, राज केंवट, कारन, अखिलेश, सैफू, शिबू, राज सोनी, सोहन, मोहन, अरमान, विकास और अरमान के रूप में की है।

पुलिस ने बताया कि जूना बिलासपुर के गांधी चौक स्थित सिटी डिस्पेंसरी के सामने पीड़ित शेखर राव ने अपने मकान के सामने अपनी कार कार कड़ी की थी जिसमे दूसरे पक्ष के आरोपियों पत्थरबाजी करके गाडी का शिक्षा तोड़ दिया जिससे विवाद और दोनों पक्षों में विवाद और मारपीट हुई।

ऑटो पार्ट्स की दुकान में लाखों रूपए की डकैती करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार, 4 फरार

कबीरधाम (ए)। कवर्धा के ट्रांसपोर्टर नगर में चौकीदार को बंधक बनाकर ऑटो पार्ट्स की दुकान में लाखों रूपए के सामन और नगद रूपए की डकैती की घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान उत्तराखंड के रसीद और गुलहसन के रूप में की है वहीँ चार आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि शिव ऑटो पार्टस दुकान के संचालक ने उसके दुकान से नगदी रकम 40,000 रूपये और 35,21,100 रुपये के ऑटो पार्ट्स, टायर, ऑयल, ग्रिस और अन्य सामान चोरी होने की रिपोर्ट लिखाई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों को मध्य प्रदेश के सतना जिले से गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से सामान जब्त किया है।

अभनपुर में दो बाइक आपस में भिड़ी, गाड़ी में लगी आग

रायपुर (ए)। राजधानी से लगे अभनपुर थाना क्षेत्र में रात लगभग आठ बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। हादसे में दो बाइक आपस में टकरा गई। इसके बाद एक बाइक में अचानक से आग लग गई। गाड़ी धू-घूकर जलने लगी। हालांकि सड़क हादसे में कितने लोग घायल हुए हैं इसकी जानकारी नहीं लग सकी है। अभनपुर से रायपुर आने वाले हाइवे में जाम लग गया। एक युवक गंभीर रूप से घायल सड़क पर पड़ा हुआ था। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पहले जाम को हटवाया। इसके बाद घायल को तत्काल अस्पताल लेकर गए।

ओएचई लाइन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत, मालगाड़ी में पड़ी थी लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में ओएचई लाइन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत हो गई। गेवरा रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी आकर रुकी तो उसमें अधेड़ की लाश देख हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर रेलवे व कुसमुंडा थाने से पुलिस पहुंची। मृतक की शिनाख्त चमरू कुमार (56) के रूप में की गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार गेवरा रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी लाइन क्लीयर होने का इंतजार में खड़ी थी। इस दौरान मालगाड़ी के ऊपर एक लाश दिखाई दी। इसके बाद स्टेशन में अफरा तफरी मच गई। मौके पर मौजूद रेल कर्मियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर रेलवे पुलिस व कुसमुंडा थाने की पुलिस पहुंची और शव को उतरवाया गया। जांच के दौरान पता चला कि मृतक आदर्श नगर निवासी चमरू कुमार था।

शुरुआती जांच में पता चला है कि चमरू कुमार हाई वोल्टेज लाइन की चपेट में आ गया था। मालगाड़ी के ऊपर वह कैसे पहुंचा इसकी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी के ऊपर चढने के बाद व ओएचई लाइन के संपर्क में आया और झुलस गया। इससे उसकी मौत हुई। मृतक के शरीर का काफी हिस्सा झुलसा हुआ था। कुसमुंडा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छात्राओं से आशिकी पड़ गई हेड मास्टर पर भारी

10 से ज्यादा छात्राएं पहुंची थाने, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबागढ़। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के अंबागढ़ में हेडमास्टर को छात्राओं से आशिकी करना भारी पड़ गया। छात्राओं पर गंदी नजर व अश्लील हरकतें करने वाले हेडमास्टर के खिलाफ 10 से अधिक छात्राओं ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। छात्राओं की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी हेडमास्टर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हेडमास्टर के खिलाफ 354 (क)(1) पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार अंबागढ़ चौकी के शासकीय प्राथमिक विद्यालय हेडमास्टर हरीश कुमार मरावी (61) पर स्कूल की छात्राओं ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। छात्राओं ने अपनी शिकायत में बताया कि हेड मास्टर कॉपी जांचने के बहाने से निजी अंगों को छूता है और अश्लील हरकतें करता था। छात्राओं की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी हेड मास्टर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हेडमास्टर समनापुर जिला डिंडौरी मध्यप्रदेश का निवासी है और स्कूल में पदस्थ था।

लाखों रुपए की शराब की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद (ए)। पुलिस ने नए साल के जश्न के लिए शराब की तस्करी कर रहे दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से लगभग 2 लाख की ब्रांडेड शराब जब्त की है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान रायपुर निवासी प्रहलाद मंधान और मुनेश्वर चैहान के रूप में की है।

पुलिस ने मुखबिर की सुचना पर अमावश मोड़ तुमगांव से पकड़ा और उनके कब्जे से 11 खाकी रंग के कार्टून में ROYAL STAG Classic Whisky प्रत्येक कार्टून में 12-12 बोतल सीलबंद शराब प्रत्येक बोतल में 750 अंग्रेजी शराब भरी हुई द्मद्दल मात्रा 99000 ML कीमती 1,46,520 रूपये। (02)- 04 खाकी रंग के कार्टून में ROYAL CHALLANGE Gold Whisky प्रत्येक कार्टून में 12-12 बोतल सीलबंद शराब प्रत्येक बोतल में 750 ML अंग्रेजी शराब भरी हुई कुल मात्रा 36000 कीमती 53,280 रूपये। कुल जुमला मात्रा 1,35,000 ML द्मद्दल जुमला कीमती 1,99,800 रूपये। (03)- टाटा एस छोटा हांथी क्रमांक CG 10 क्र0138 पुरानी इस्तेमाली कीमती 4,00,000 रूपये। (04)- एक वीवो कंपनी का मोबाईल कीमती 10,000 रूपये। (05)- एक ए वन प्लस कंपनी का मोबाईल कीमती 12,000 रूपये। (06)- नगदी रकम 4100 रूपये। कुल जुमला रकम 6,25,900 रूपये को जब्त किया।

जंगल मे नर कंकाल मिलने से क्षेत्र में मची सनसनी

रायगढ़ (ए)। जिले एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है। जंगल में एक नरकंकाल मिला है, जिसके बाद इलाके में सनसनी मच गई है। नर कंकाल हाटी के बांसबाड़ी के जंगल मे मिला है। जानकारी अनुसार शव 1 से डेढ़ महीने पुरानी बताई जा रही है। सर धड़ से लगभग 30 मीटर की दूरी पर मिला है। वहीं ग्रामीणों ने कंकाल होने की सूचना छाल पुलिस को दे दी है। पुलिस मौके पर पहुंच शव पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। छाल थाना ने अज्ञात शव पर मर्ग कायम कर जांच में लग गई है।

आपराधिक तत्वों के खिलाफ पुलिस ने चलाया आपरेशन गरुड़ आरोपितों को किया गिरफ्तार

रायपुर (ए)। जिला धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद एवं बलौदा बाजार में पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज, आरिफ एच शेख द्वारा पुलिस विभाग ने आपरेशन गरूड़ चलाया। इसके आपरेशन के अंतर्गत जिला धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद एवं बलौदा बाजार के पुलिस अधीक्षकों सहित अधिक से अधिक बल ने अभियान को अंजाम दिया। इस अभियान में स्थायी/गिरफ्तारी वारंट तामिली, फरार आरोपितों की गिफ्तारी सहित नए साल 2023 के आगमन को ध्यान में रखते हुए अवैध शराब, मादक पदार्थ, जुआ/सट्टा एवं अपराधिक तत्वों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। बता दें इस अभियान के तहत रायपुर रेंज पुलिस ने कुल 521 व्यक्तियों की गिरफ्तारी की, जिसमें 128 स्थायी वारंट, 224 गिरफ्तारी वारंट की तामिली की गई। आबकारी एक्ट, आर्म्स एक्ट, जुआ/सट्टा एक्ट एवं प्रतिबंधक धाराओं के तहत कुल 169 व्यक्तियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। इस अभियान के तहत गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफवैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

महासमुंद में कुल 137 गिरफ्तार

इस अभियान के तहत जिला महासमुंद में कुल 137 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 50 स्थायी वारंट, 58 गिरफ्तारी वारंट तामिल किया गया तथा जुआ एक्ट के तहत कुल चार प्रकरण में 15 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 9,440/- रूपये जब्त किए गये। इसी प्रकार टाटा एस वाहन में परिवहन कर लायी जा रहीं मध्य-प्रदेश में निर्मित 135 लीटर (कीमत दो लाख रूपये) सहित कुल 195 लीटर अवैध शराब कीमती दो लाख 12 हजार रूपये जब्त कर कुल 11 प्रकरणों में 12 लोगों को एवं प्रतिबंधक धाराओं के तहत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया।

गरियाबंद में 52 गिरफ्तार

इसी प्रकार जिला गरियाबंद में कुल 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें 20 स्थायी वारंट, 30 गिरफ्तारी वारंट तामिल तथा आपराधिक प्रकरण में फरार एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया एवं तीन लीटर अवैध शराब जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

रायपुर का प्लेबॉय गिरफ्तार

सेक्स का ऑफर देकर सरकारी आवासों में फेंकता था पर्चे

रायपुर। राजधानी में प्लेबॉय बनने की फिराक में पर्चे फेंकने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक कॉलेज का छात्र निकला और सेक्स का ऑफर देते हुए सरकारी व निजी आवासों में पर्चे फेंकता था। इस मामले में रायपुर के राखी थाने में पहुंची शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच के बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करने के लिए महिला पुलिस कर्मी का सहारा लिया। बताया जा रहा है कि महिला पुलिस कर्मी ने युवक के दिए नंबर पर कॉल किया और युवक को पकड़ा।

बता दें राजधानी रायपुर के सरकारी व निजी आवासों में लगातार एक पर्चा मिल रहा था। पर्ची में रॉकी नाम के साथ मोबाइल नंबर लिखा हुआ था। लडका खुद

को मेल सेक्स वर्कर बता रहा था। पर्चे मिलने से लगातार कॉलोनी वाले परेशान थे और इस मामले में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए महिला पुलिस कर्मी से कॉल करवाया। इसके बाद लड़के को बुलाया गया। जैसे लड़का पहुंचा पहले से तैयार पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी युवक ने अपना नाम यश कुर्रे निवासी राजनांदगांव बताया। वह रायपुर के कलिंगा यूनिवर्सिटी में बीबीए कर रहा है।

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

ऑनलाइन जुआ खेलने और तेज वाहन चलाने का प्रचार करने वाला गिरफ्तार

रायपुर (ए)। इंटरनेट मीडिया में तेज वाहन चलाने का वीडियो प्रसारित करने और आनलाइन जुआ खेलने संबंधी प्रचार-प्रसार करने वाला बाबू खेमानी उर्फ गुलशन को गिरफ्तार किया गया है। आरोपित बाबू खेमानी ने इंस्टाग्राम में अपनी चारपहिया वाहन को अत्यधिक तेज एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुए गाली-गलौज करने का वीडियो प्रसारित किया गया था। इसके साथ ही इंटरनेट मीडिया के प्लेटफॉर्म में ऑनलाइन बैटिंग एप गजानंद बुक में जुआ खेलने संबंधी भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा था।

बता दें बाबू खेमानी उर्फ गुलशन का वीडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस ने आरोपित की पतासाजी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत तीन हजार रुपये की चालानी कार्रवाई करने के साथ ही आनलाइन जुआ खेलने संबंधी प्रचार-प्रसार करने पर थाना सिविल लाइन में प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी बाबू खेमानी उर्फ गुलशन उम्र 28 साल मारूति इन्क्लेव कालोनी टाटीबंध थाना आमानाका रायपुर का निवासी है।

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट का सटोरियों के खिलाफएक्शन

इसी कड़ी में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट का सटोरियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाही की जा रही है। अलग-अलग स्थानों में सट्टा संचालित करते कुल 20 सटोरिये को गिरफ्तार किया गया है। वहीं सटोरियों के पास से नगदी 23,630 रूपये सहित सट्टा-पट्टी भी जब्त किया गया। रंजीत यादव उम्र 23 साल निवासी पंडरी ताजनगर सिविल लाईन, श्रवण भारती उम्र 37 साल निवासी बेहरा कालोनी सिविल लाइन, आकाश बैरागी उम्र 25 साल निवासी पंडरी बाजार पास सिविल लाइन रायपुर, मुकेश सागर उम्र 35 साल निवासी कुकुरबेड़ा आमानाका रायपुर. ईमरान खान उम्र 35 साल निवासी नेहरू नगर कोतवाली रायपुर, जय ताण्डी उम्र 45 साल निवासी नेहरू नगर कोतवाली रायपुर, घनश्याम शर्मा उम्र 43 साल निवासी पचपेढ़ी नाका टिकरापारा रायपुर, नागेश प्रताप उम्र 30 साल निवासी चंगोराभाठा डी.डी.नगर रायपुर, रवीन्द्र वालिया उम्र 49 साल निवासी गोलबाजार रायपुर, विक्की तिवारी उम्र 28 साल निवासी कुशालपुर पुरानी बस्ती रायपुर, जगन्नाथ ताण्डी उम्र 35 साल निवासी महादेव घाट पास डी.डी.नगर रायपुर, मो. इमरान उम्र 23 साल निवासी बैजनाथपारा कोतवाली रायपुर सहित अन्य को गिरफ्तार किया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

सेवानिवृत बीएसपी कर्मी ने सपत्निक किया देहदान

दुर्ग। पंचशील नगर,बोरसी निवासी सेवानिवृत बीएसपी कर्मी पी दिवाकरन और उनकी पत्नी सी मनोनमेनी ने एकसाथ देहदान कर मानवता की अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की है। देहदान हेतु प्रनाम के अध्यक्ष पवन केसवानी ने उनके घर जाकर की गई काउंसलिंग के पश्चात् राजीवलोचन आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, चंदखुरी के नाम से मरणोपरांत मृत शरीर अध्ययन हेतु देने की वसीयत जारी की गई! इस पुनीत कार्य हेतु बीएसपी में अधिकारी उनके आईडी प्रदीप ने उनकी वसीयतों में साक्षी रिश्तेदार के रूप में हस्ताक्षर कर अपना भावनात्मक सहयोग प्रदान किया ! देहदान की इस नेक पहल के दौरान उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ता सुजीत बैनर्जी और हरेन्द्र शर्मा की भी विशेष सहभागिता रही ! संस्था प्रनाम के द्वारा अप्रैल 2008 से देहदान व नेत्रदान हेतु लगातार अभिनव पहल की जा रही है ! प्रनाम का कार्यालय भिलाई में 6बी/सड़क-19/सेक्टर-5 में स्थित है जिसका मोबाइल नंबर. 9479273500 है!

भाजयुमो के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों ने भाजपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा से की सौजन्य भेंट

दुर्ग। भारतीय जनता युवा मोर्चा के दुर्ग जिले में निवासरत नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों ने आज दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा से सौजन्य भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सौजन्य भेंट करने वालों में प्रमुख रूप से प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख सुरेंद्र साहू प्रचार प्रसार सह प्रमुख आकाश ठाकुर प्रदेश सोशल मीडिया सह प्रभारी उदय भास्कर रहे। इस दौरान जिला भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ भाजपा नेता प्रीतपाल बेलचंदन, पंडित काशीनाथ शर्मा, जिला उपाध्यक्ष कांतिलाल जैन, आईटी सेल जिला संयोजक राजा महोबिया, मदन बढ़ई, आशीष निंमजे, जीत यादव भाजयुमो जिला महामंत्री तेखन सिन्हा गौरव शर्मा रहे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा मोर्चा भारतीय जनता पार्टी की रीढ़ की हड्डी है और बिना उसके जिस प्रकार शरीर काम नहीं करता उसी प्रकार भारतीय जनता युवा मोर्चा भाजपा का किसी भी प्रकार का आंदोलन एवं संगठन का कार्य सफल नहीं हो सकता और प्रदेश में सरकार बनाने में इनकी अहम भूमिका होगी।

मृतक के परिजन को मिली 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। ग्राम जामगॉव आर, तह. पाटन, जिला-दुर्ग, निवासी स्व. ओमिन यादव, ब्लॉक 42, आईएचएसडीपी कालोनी, भागीरथी सदन, वार्ड नं. 58 उरला जिला दुर्ग, निवासी स्व. आदर्श एस.जीवनकर, ग्राम वार्ड नबंर 4 जेवरा सिरसा जिला दुर्ग, निवासी स्व. राममनोहर साहू, ग्राम बोरीगारका थाना-उतई, जिला दुर्ग निवासी स्व. देवानंद जांगडे, जवाहर नगर भिलाई, जिला-दुर्ग, निवासी स्व. मुकेश गोस्वामी, ग्रम देवरी जिला दुर्ग, निवासी स्व. सूरमनी बाई, ग्राम उफरा पाटन जिला दुर्ग, निवासी स्व. श्रीमति मंजू ठाकुर, पुरैना भिलाई चरोदा जिला दुर्ग, निवासी स्व. उबैद एवं ग्राम पाहंदा, अमलेश्वर जिला दुर्ग, निवासी स्व. सूरज वर्मा की दुर्घटना से मृत्यु हुई थी। जिसके लिए छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन के प्रावधानों के अनुरूप मृतक स्व. ओमिन यादव के श्रीमती सुशीला को 4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि संयुक्त कलेक्टर दुर्ग द्वारा स्वीकृत की गई है।

डीयू में ऑफलाइन एग्जाम होने से घटी छात्रों की संख्या

इस साल 1 लाख 60 हजार स्टूडेंट्स के मिले एप्लीकेशंस

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग (डीयू) द्वारा इस बार ऑफलाइन परीक्षा कराने से एनरोल्ड होने वाले परीक्षार्थियों की संख्या घट गई है। पिछली बार ऑनलाइन एग्जाम के समय जहां परीक्षार्थियों की संख्या 2 लाख के पार चली गई थी, तो इस बार करीब 1 लाख 60 हजार आवेदन मिले हैं।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग ने परीक्षा को लेकर संभावित डेडलाइन जारी कर दी है।

इसे लेकर उन्होंने बताया कि सत्र 2022-23 में आयोजित की जाने वाली वार्षिक परीक्षा के लिए लगभग 1 लाख 60 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। पिछली बार इन आवेदनों की संख्या दो लाख से अधिक थी।

विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव डॉ. राजमणि पटेल ने बताया कि डीयू में वार्षिक परीक्षा के लिए आवेदन लेने की अंतिम तिथि समाप्त हो गई है। विद्यार्थियों की मांग पर यह तारीख 2 जनवरी 2023 तक बढ़ाई गई है। इस तिथि तक 200 रुपए विलंब शुल्क के साथ आवेदन लिए जाएंगे।

परीक्षा की संभावित डेट भी जारी

डॉ. पटेल ने बताया कि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी नियमित और प्राइवेट विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं फरवरी माह में आयोजित की जाएंगी। इसके लिए सभी परीक्षा केंद्रों को बाह्य परीक्षकों की सूची उपलब्ध कराई जा रही है। ये प्रायोगिक परीक्षाएं संभवतः 1 से 28 फरवरी के बीच करा ली जाएंगी। बाद वार्षिक परीक्षाएं मार्च महीने के दूसरे सप्ताह होली के बाद आयोजित की जाएंगी।

सेमेस्टर परीक्षाओं का मूल्याकंन कार्य जारी

विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि आयोजित की गई सेमेस्टर परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं को मूल्यांकन के लिए गोपनीय विभाग में भेजा जा रहा है। जो उत्तर पुस्तिकाएं बची हैं उन्हें जनवरी के पहले सप्ताह तक मूल्यांकन के लिए भेज दिया जाएगा। सेमेस्टर परीक्षाओं के रिजल्ट की बात करें तो एमकॉम के परीक्षा परिणाम सबसे पहले जारी किए जाएंगे। इसके बाद बाकी के परिणाम आएंगे।

पांच जनवरी से पंजीयन प्रक्रिया शुरू

राजेंद्र पार्क में 15 से होगा फ्लावर शो

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम शहर विधायक अरुण वोरा के मार्गदर्शन में लगातार चौथी बार भव्य फ्लॉवर शो का आयोजन,आज महापौर धीरज बाकलीवाल ने पर्यवरण प्रभारी सत्यवती वर्मा, पिछड़ा वर्ग के आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा एवं अधिकारियों के साथ राजेन्द्र पार्क का निरीक्षण कर समीक्षा बैठक ली। नगर निगम द्वारा यह चौथी बार भव्य फ्लावर शो का कार्यक्रम राजेंद्र पार्क में 15 जनवरी को प्रातः 11 बजे से प्रारंभ किया जाएगा।

इसके लिए निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के दिशा निर्देश पर फ्लॉवर शो कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी जितेंद्र समैया एवं सहायक अभियंता नोडल अधिकारी आरके पालिया, वीपी मिश्रा को नियुक्त किया गया है। महापौर धीरज बाकलीवाल के दिशा निर्देश पर पर्यावरण विभाग प्रभारी सत्यवती वर्मा ने निगम के इस भव्य फ्लॉवर शो कार्यक्रम में इस बार दुर्ग के द्वारा पारिवारिक वातावरण के अनुसार मनोरंजक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं इसके साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए स्टॉल बनाए जायेगे, 5 जनवरी 2022 से प्रतिभागी सुबह 9.30 बजे से लेकर शाम 5,30 बजे तक राजेन्द्र पार्क में पहुँचकर अपना पंजीयन कराकर भाग ले सकेंगे।

महापौर एवं पर्यावरण प्रभारी ने राजेन्द्र पार्क में फ्लावर शो की तैयारी को लेकर निरीक्षण कर नोडल अधिकारी जितेंद्र समैया निर्देशित किया। राजेन्द्र पार्क में रंगरोहन व गार्डन को व्यवस्थित करने, झूले को रंगरोहन के साथ टूटे हुए झूलो को मरमत के साथ साथ साफ साफ व्यवस्थाएं दुरुस्त सहित प्रकाश व्यवस्थाओ में ध्यान रखने को कहा गया साथ ही दादा-दादी नाना-नानी पार्क से पीछे राजेन्द्र पार्क की ओर नागरिको के आवागमन के लिए सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लिए स्ट्रीट लाइन लगवाने को कहा गया।

नव पहल अभियान के तहत् धमधा में बनाया जा रहा है पुस्तकालय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। धमधा में विद्यार्थियों के कैरियर विकास के लिए नव पहल अभियान के अंतर्गत एक अनोखी शुरूआत की गई है। इसके अंतर्गत पुस्तकालय की स्थापना का निर्णय लिया गया है और इस संबंध में कार्यवाही की जा रही है। इस पुस्तकालय में छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के संदर्भ की पुस्तकें हिंदी और अंग्रेजी माध्यम में उपलब्ध होंगी।

इसके साथ ही इससे संबंधित पत्रिकाएं, जनरल, स्वरोजगार समाचार आदि भी उपलब्ध होंगे। किसी भी स्कूल या कॉलेज के विद्यार्थी व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र इसी सदस्यता ले सकते हैं। यह पुस्तकालय जन सहयोग से संचालित होगा। इसे और बेहतर बनाने के आम जन अपनी इच्छा से लिए पुस्तकें दान कर सकते हैं, संचालक मंडल, सेवानिवृत शिक्षक सेवाएं दे सकते हैं। इस पुस्तकालय में नगद दान का प्रावधान नहीं हैं दानदाता केवल पुस्तकें या आवश्यक सामग्री दान कर सकते हैं।

हमर कला केन्द्र - धमधा में जनपहल से एक अनुकरणीय प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है। इसके अंतर्गत धमधा में हमर कला केन्द्र की स्थापना की रही है। जिसमें हमारी छत्तीसगढ़ की समस्त कलाओं वादन, गायन, नृत्य, मूर्तिकला, काष्ठ कला, चित्रकारी एवं अन्य कलाओं का प्रशिक्षण नि:शुल्क प्रदाय किया जायेगा। प्रशिक्षण विकासखंड के योग्यताधारी शिक्षक, स्वयंसेवी कलाकार, इच्छुक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को इन कलाओं का प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण सत्र संध्याकाल एवं अवकाश दिवसों में संपादित किये जाएंगे। कोई भी व्यक्ति इस केन्द्र को वाद्ययंत्र, उपकरण, सामग्री दान कर सकते हैं। यदि कोई नागरिक प्रशिक्षण प्रदाय करने में सहयोग करना चाहते हैं, वे संपर्क कर सकते हैं। केन्द्र को दान की जाने वाली स्थायी सामग्री में दानदाता अपना नाम लिखकर देवें। श्रमदान, समयदान भी अतिमहत्वपूर्ण हैं, कोई नागरिक प्रशिक्षण सामग्री में सहयोग प्रदान करना चाहते हैं।

चंदूलाल चंद्राकर के अथक प्रयास से छत्तीसगढ़ राज्य बना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व मंत्री बदरूदीन कुरैशी ने छत्तीसगढ़ राज्य के प्रेरणास्त्रोत चंदूलाल चंद्राकर जी के 102वीं जयंती के अवसर पर घड़ी चैक सूपेला, और सेक्टर-6 इंटक यूनियन ऑफिस के मैदान में चंदूलाल चंद्राकर जी की स्थापित प्रतिमा में बदरूदीन कुरैशी और कांग्रेसजनों ने माल्यअर्पण कर उनके बताये हुये मार्गों पर चलने का संकल्प लिया।

कुरैशी ने अपने उद्बबोधन में कहा कि सन् 1992 में छत्तीसगढ़ राज्य बनाने का संकल्प लिया और पूरे छत्तीसगढ़ के अंदर जिला एवं ब्लाक स्तर पर कमेटीयां बनाई और छत्तीसगढ़ राज्य बनाने के लिए जनमानस को आंदोलित करने के लिए जिला और ब्लाक स्तर पर रैलियां निकाली कांग्रेस के विधानसभा चुनाव में घोषणा पत्र था उसमें संकल्प लिया गया कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनगी तो छत्तीसगढ राज्य बनाया जायेगा।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी दिग्विजय सिंग मुख्यमंत्री बने और 1993 के विधानसभा सत्र में छत्तीसगढ़ राज्य बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया चंदूलाल चंद्राकर जिस निष्ठा और ईमानदारी के साथ छत्तीसगढ़ राज्य बनाने के लिए आंदोलन किया कदम उठाया ऐसा कदम किसी ने नहीं उठाया और चंदूलाल चंद्राकर जी के ही बदौलत मध्यप्रदेश विधानसभा में सर्वसहमति से प्रस्ताव पारित हुआ और उन्ही के प्रयास से आज छत्तीसगढ़ राज्य बना है।

कार्यक्रम में पवन चंद्राकर, मदल लाल चंद्राकर, बलदाउ चंद्राकर, भुनेश्वर चंद्राकर, कुलेशवर चंद्राकर, देवेन्द्र चंद्राकर, हेमन्त, दिलीप, मोरध्व्ज, सेतराम, गोवर्धन, मुरारी, संजय, श्रीमति सरिता, श्रीमति करूणा, समयलाल साहू, तुलसी साहू, सज्जन कुमार दिक्षित, अरूण सिंह, संजय लाखे, नईम बेग, फहयाज अहमद, गायत्री देवांगन, तुषार देवांगन, धर्मेंद्र वैष्णव, दुर्गाप्रसाद साहू, पप्पू यादव, शिवशंकर, गिरवर साहू, हटवार, सतानंद, थनेन्द्रनाथ, राजेश कौशिक, संजय चंद्राकर, अब्दुल कादिर सिद्धिकी, दीदार भाई, कमल चंद्राकर, शिव, राधेलाल, गजेन्द्र, पुष्पक यादव उपस्थित थे।

बीएसपी ने भारतीय रेलवे को 100 नग ईयूआर-रेक भेजकर सर्वश्रेष्ठ मासिक ईयूआर-रेक डिस्पैच का नया कीर्तिमान हासिल किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के यूआरएम एवं आरएसएम विभाग ने नवंबर 2022 में हासिल किए गए 91 रेक के पिछले सर्वश्रेष्ठ को पार करते हुए 100 नग का अब तक का सर्वाधिक मासिक ईयूआर-रेक डिस्पैच कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यूआरएम ने 82 नग और आरएसएम ने 18 नग ईयूआर भेजे हैं।

यह उपलब्धि यूआरएम एवं आरएसएम द्वारा संबद्ध विभागों जैसे एसएमएस-3, पीपीसी, आरसीएल, इनकॉस और टी एंड डी के साथ-साथ राइट्स एवं रेलवे सहित अन्य संबद्ध एजेंसियों के सहयोग से हासिल की गई है। भारतीय रेलवे ने पैनलों की लोडिंग के लिए 260 मीटर ईयूआर रेक की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की है।

सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार के साथ यूआरएम का दौरा किया और इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए यूआरएम और आरएसएम टीम को बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (आयरन) तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) पी के सरकार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) असीत साहा, मुख्य महाप्रबंधक (क्वालिटी एंड एसएमएस-3) एस के कर, मुख्य महाप्रबंधक (यूआरएम) अनीश सेनगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एंड आरटीएस) तीर्थंकर दस्तीदार और महाप्रबंधक प्रभारी (टी एंड डी) गोपीनाथ मलिक उपस्थित थे। निदेशक प्रभारी ने इस उपलब्धि का श्रेय यूआरएम और आरएसएम बिरादरी और अन्य संबद्ध विभागों व एजेंसियों को दिया। उन्होंने लोडिंग के लिए 260 मीटर ईयूआर रेक की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे को भी धन्यवाद दिया।

ऊर्जा संरक्षण आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम रिटेलर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिसेंसी भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) ऊर्जा विभाग छ.ग. शासन के तत्वावधान में ऊर्जा संरक्षण आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत् आज रिटेलर ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन होटल सेंट्रल पार्क सुपेला भिलाई में किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में विजय साहू, सदस्य क्रेडा रायपुर उपस्थित रहें एवं अध्यक्षता संजीव जैन, एडवाईजर क्रेडा के द्वारा कार्यक्रम में मार्गदर्शन दिया गया। क्रेडा द्वारा विद्युत उपकरण सामग्री रिटेलरों से डोर टू डोर संपर्क कर इस कार्यक्रम में उपस्थिति हेतु अनुरोध किया गया।

उक्त कार्यक्रम में बहुत अधिक मात्रा में रिटेलर एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित हुये। माननीय विजय साहू, सदस्य क्रेडा रायपुर द्वारा कार्यक्रम में संबोधन के दौरान कहा गया कि आज के वर्तमान स्थिति में बढ़ती हुई जनसंख्या एवं उनके विद्युत आवश्यकताओं की पूर्ति को कम करने के लिए सबसे पहले जो हम ऊर्जा का उपयोग कर रहे है, उसे किस तरह से संरक्षण किया जाये साथ ही बिजली बचाने के लिए तथा हमारे पास उपलब्ध संसाधन को बहुत समय तक उपयोग करने के लिए ऊर्जा दक्ष उपकरणों का उपयोग एवं नवीनकरणी ऊर्जा जैसे - सौर ऊर्जा श्रोतों का अधिक से अधिक उपयोगों का बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्टार रेटेड उपकरण को अधिकाधिक आम जनता तक पहुचाये जाने हेतु विद्युत उपकरण विक्रेताओं से अनुरोध किया गया।

जिला अस्पताल में बनेगा सर्वसुविधायुक्त वेटिंग हॉल, आवश्यक उपकरणों एवं कर्मियों की डीएमएफ से होगी पूर्ति

अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने बढ़ाई जाएगी सुरक्षाकर्मियों की संख्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय दुर्ग में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने अस्पताल को अपग्रेड करने व शून्य रेफरल अस्पताल बनाने के उद्देश्य से मिशन मोड में कार्य करने के दिए निर्देश। स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य रिक्त पदों पर डीएमएफसे होगी नियुक्ति, जिला प्रशासन उपलब्ध कराएगा आवश्यक उपकरण व मशीनें।

मरीजों के साथ आने वाले परिजनों की सुविधा के लिए 300 व्यक्तियों की क्षमता वाला वेटिंग जोन भी बनेगा। बैठक में सीएमएचओ श्री जे.पी. मेश्राम व जिला अस्पताल के सिविल सर्जन श्री वाई.के.शर्मा भी उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल के इंफ्रास्ट्रक्चर को किया जाएगा अपग्रेड, मरीजों के साथ आए परिजनों के लिए बनेगा सर्वसुविधायुक्त वेटिंग हॉल - कलेक्टर श्री मीणा ने समीक्षा बैठक के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर करने के लिए एमसीएच विंग में 10 बिस्तर प्राइवेट वार्ड व एमसीएच विंग में ही 300 व्यक्तियों के रुकने की क्षमता वाले वेटिंग हॉल के निर्माण के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने कहा कि वेटिंग हॉल में सोने और प्रसाधन की समुचित व्यवस्था हो, इसके अलावा मेंनीफोल्ड कक्ष एवं पाईप लाईन कार्य, गयानिक एचडीयू में सेंट्रल ऑक्सीजन पाईप लाईन सिस्टम का कार्य, एमसीएच हेतु ओपीडी विंग का निर्माण कार्य कराने के निर्देश दिए।

जिला अस्पताल में रेफरल दर कम करने जिला प्रशासन करेगा हर संभव मदद- कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक के दौरान अस्पताल से हो रहे रेफरल के कारणों की समीक्षा की व रेफरल रेट कम करने डीएमएफ फंड से आवश्यक उपकरणों, मशीनों व कर्मचारियों की पूर्ति करने का आश्वासन दिया। जल्द ही आईसीयू वार्ड में एबीजी मशीन व ट्रांसपोर्ट वेंटिलेटर, रेडियोलॉजी विभाग में सोनोग्राफी मशीन का इंस्टीट्यूशनल मॉडल होगा उपलब्ध।

इसके अलावा एसएनसीयू, नेत्र, हड्डी रोग, पैथोलॉजी, कैंसर ओपीडी, सेप्टिक ओटी, एमसीएच व अन्य विभागों में आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।विभिन्न विभागों में स्वास्थ्य एवं अन्य कर्मियों की पूर्ति भी डीएमएफफंड से की जाएगी। इसके अंतर्गत 16 स्टाफनर्स, 10 मेडिकल ऑफिसर, 1 ईएनटी स्पेशलिस्ट, 8 ओटी टेक्निशियन, 6 ड्रेसर सहित कुल 77 स्वास्थ्य कर्मियों व 21 अन्य कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर करने बढ़ेगी सुरक्षाकर्मियों की संख्या- जिला अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में कलेक्टर ने 14 नगर सैनिकों की 24 घंटे उपलब्धता व 20 नए सुरक्षा गार्डों की डीएमएफ से नियुक्ति के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सुरक्षाकर्मियों की ट्रेनिंग व मॉक ड्रिल कराने के भी निर्देश दिए जिससे उन्हें संभावित मुश्किल परिस्थितियों को सुलझाने में आसानी हो।

ठगड़ा बांध में स्थापित होगी छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा, जारी किया टेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग के ठगड़ा बांध में छत्तीसगढ़ महतारी की ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी। छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापना के लिए नगर निगम प्रशासन ने टेंडर जारी कर दिया है। इस कार्य के लिए कुल 15 लाख 90 हजार रुपए की मंजूरी दी गई है। गौरतलब है कि ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट का सौंदर्यीकरण कार्य पिछले दो साल से जारी है। इस कार्य पर करीब 16 करोड़ से ज्यादा राशि खर्च की जा रही है।

सौंदर्यीकरण योजना के तहत ही अब ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

बता दें कि विधायक अरुण वोरा ने नवंबर माह में सीएम से मुलाकात कर दुर्ग में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापना के लिए राशि मंजूर करने सहित कई प्रमुख विकास कार्यों के लिए राशि मंजूर करने का आग्रह किया था। वोरा के आग्रह पर सीएम ने मौके पर ही कलेक्टर को इस संबंध में निर्देश दिये थे। इसके बाद अब छत्तसीगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

ट्विनसिटी को मिलेगी शानदार पिकनिक स्पॉट की सौगात

ठगड़ा बांध के बीच में आइलैंड बनाया गया है। यहां तक पहुंचने के लिए कांच का एप्रोच रोड बनाया जा रहा है। पारदर्शी कांच से इस पर चलने वालों को नीचे भरे पानी को देख सकेंगे। यहां लैंड स्केपिंग, गार्डनिंग, चौपाटी, रिटेनिंग वॉल, किडस जोन इनलेट वॉल, आउट लेट वॉल, पार्किंग बाउंड्रीवाल, सहित अन्य कार्य पूरे कर लिये गए हैं। उद्यान लाइट, झूले और फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। यहां योग सेंटर, मार्निंग वॉक जोन, बोटिंग, पाथवे, घाट निर्माण, गार्डनिंग सहित अन्य सुविधाएं भी होगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950